



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या 405 राँची ,गुरुवार 6 भाद्र 1936 (श०)  
28 अगस्त, 2014 (ई०)

---

#### वाणिज्य-कर विभाग

-----

संकल्प

28 अगस्त, 2014

विषय: वाणिज्य-कर विभाग द्वारा **e-governance** प्रक्रिया के अधीन झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के प्रावधानों **Electronic Conversion** के संबंध में।

**संख्या-3016(Anu)**--वर्तमान मूल्यवर्द्धित कर प्रणाली तथा आगामी वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में अंतर्निहित स्वतःस्फूर्त (**self enforcing**) व्यवस्था के लिए कर प्रणाली का पूर्ण स्वचालन आवश्यक है। अतः वाणिज्य-कर विभाग के सभी प्रमुख प्रक्रियाओं यथा-निबंधन, विवरणियों का समर्पण, कर का भुगतान, विवरणियों की संविक्षा, कर-वापसी, विभिन्न प्रान्तीय घोषणा पत्रों तथा केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्रों का निर्गमन, कर-निर्धारण, अंकेक्षण, कर-वसूली, अन्वेषण तथा निरीक्षण, अपील तथा संबंधित प्रतिवेदनों के **Electronic conversion** हेतु **e-governance** की अवधारणा प्रचलित है। विशेषकर आगत वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली के सफल क्रियान्वयन हेतु कराधान व्यवस्था का पूर्ण स्वचालन अति आवश्यक है।

उक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 में स्वचालन (**Automation**) का प्रावधान दिया गया है। साथ ही झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन धारा-74 स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु आयुक्त को **Electronic Procedures** विहित करने की शक्ति प्रदान की गयी है।

उल्लेखनीय है कि विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automotion**) से जहाँ एक ओर व्यवसायियों को विभागीय कार्यालयों में जाकर कार्य कराने से मुक्ति मिलती है एवं घर बैठे 24 X 7 विभागीय प्रक्रियाओं यथा- निबंधन, विवरणी दाखिल, कर-भुगतान, विभिन्न घोषणा पत्रों के निर्गमन जैसे महत्वपूर्ण कार्य निष्पादित किए जाते हैं वहाँ विभागीय पदाधिकारियों को भी **Routine Work** से मुक्ति मिलती है एवं उनके समय एवं उर्जा का उपयोग कुशल कर-प्रशासन में होता है जिससे कर-संग्रहण की वृद्धि होती है।

इसी उद्देश्य से समय-समय पर झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 तथा सुसंगत नियमावली के नियम 3B के अधीन विभिन्न परिपत्र निर्गत किए गए हैं। माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड द्वारा ऐसे निर्गत परिपत्रों के संबंध में यह **observation** दिया गया है कि “विभागीय प्रक्रियाओं के **automation** से संबंधित झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन निर्गत विभिन्न परिपत्रों को झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की संबंधित धाराओं तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम की धारा 74 (ii) के अधीन संकल्प तथा धारा 74 (iii) के अधीन अधिसूचना निर्गमन की अनिवार्यता है।” उक्त **observation** के आलोक में झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 74 (2) के अधीन स्वचालन के उद्देश्य हेतु संकल्प निर्गमन की आवश्यकता है। साथ ही समय-समय पर मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन निर्गत परिपत्रों को धारा-74 की उपधारा (3) के प्रावधान के अधीन भूतलक्षी प्रभाव से अधिसूचित करने की आवश्यकता है। ऐसे निर्गत परिपत्रों का विस्तृत विवरण निम्नवत् है:-

क्र०सं०	परिपत्र संख्या	दिनांक	विषय-वस्तु
1.	2293	03.09.2009	झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 74 तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली 2006 के नियम 14 (12) (i) के अधीन ऑन-लाईन विवरणी समर्पित करने एवं तत्संबंधी मार्गदर्शन एवं प्रक्रिया के संबंध में।

2.                4284(अनु)    20.10.2010    झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर  
अधिनियम, 2005 की धारा 74 तथा झारखण्ड  
मूल्यवर्द्धित कर नियमावली 2006 के नियम 14  
(12) (i) के अधीन ऑन-लाईन विवरणी समर्पित  
करने एवं तत्संबंधी मार्गदर्शन एवं प्रक्रिया के संबंध  
में।
3.                4767                09.12.2010    झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर  
अधिनियम, 2005 की धारा 74 तथा झारखण्ड  
मूल्यवर्द्धित कर नियमावली 2006 के नियम 15  
(6) (f) के अधीन ऑन-लाईन भुगतान समर्पित  
करने एवं तत्संबंधी मार्गदर्शन एवं प्रक्रिया के संबंध  
में।
4.                327(अनु0)    25.01.2012    विभागीय अधिसूचना संख्या  
एस0ओ 143 दिनांक 23 जुलाई, 2011 के नियम  
11 के उपनियम (2) के अधीन ऑन-लाईन  
केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्र 'सी' के निर्गमन के संबंध  
में।
5.                929                26.03.2012    वाणिज्य-कर विभाग द्वारा  
प्रशासित लघु अधिनियमों -स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं  
के उपभोग अथवा व्यवहार हेतु प्रवेश पर प्रवेश कर  
अधिनियम, 2011 झारखण्ड होटल विलास कराधान  
अधिनियम, 2011 के सुसंगत नियमावलियों के  
अधीन ऑन-लाईन निबंधन आवेदन पत्र समर्पण  
योजना (**Online Submission of Application  
for Registration Scheme**) के संबंध में।
6.                2022                29.06.2012    झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर  
नियमावली 2006 के नियम 14 (12) (i) के अधीन  
ऑन-लाईन विवरणी समर्पित करने, नियम 15 (6)  
(f) के अधीन ऑन-लाईन भुगतान समर्पित करने  
तथा नियम-3A(vi) के अधीन ऑन-लाईन निबंधन

			आवेदन समर्पित करने की प्रक्रिया को अनिवार्य करने के संबंध में।
7.	2499	13.08.2012	वाणिज्य-कर विभाग में केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 के अधीन e-registration की प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।
8.	3224	12.10.2012	वाणिज्य-कर विभाग में केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 के अधीन निबंधन प्रमाण पत्र में <b>Online Amendment Scheme</b> हेतु प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।
9.	3554	14.11.2012	वाणिज्य-कर विभाग में झारखण्ड वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और रोजगारों पर कर अधिनियम, 2011 (The Jharkhand Tax on Professions, Trade, Calling and Employment Act, 2011) तथा झारखण्ड वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और रोजगारों पर कर नियमावली, 2012 के अधीन ऑन-लाइन निबंधन आवेदन पत्र समर्पण योजना (Online submission for Application for Registration Scheme) के संबंध में।
10.	3656	29.11.2012	झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाइन घोषणा पत्र JVAT 504G के निर्गमन हेतु प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।
11.	3777	12.12.2012	वाणिज्य-कर विभाग द्वारा प्रशासित अंगीकृत विद्युत शुल्क अधिनियम, 1948 (झारखण्ड विद्युत शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2011 द्वारा यथासंशोधित) तथा अंगीकृत विद्युत शुल्क नियमावली, 1949 (झारखण्ड विद्युत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 द्वारा यथा संशोधित)

के अधीन ऑन-लाईन निबंधन आवेदन पत्र समर्पण योजना (**Online Submission of Application for Registration Scheme**) के संबंध में।

- |     |      |            |  |
|-----|------|------------|--|
| 12. | 155  | 16.01.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन घोषणा पत्र <b>JVAT 504G</b> निर्गमन हेतु प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।   |
| 13. | 2513 | 14.05.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 74 तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली 2006 के नियम 3B के अधीन स्वचालन प्रक्रिया के उद्देश्यों हेतु प्रदत्त शक्ति के अधीन ऑन-लाईन विवरणी समर्पित करने के क्रम में निबंधित व्यवसायियों द्वारा की गयी बिक्री का विस्तृत ब्यौरा देने के संबंध में। |
| 14. | 2624 | 20.05.13   | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन घोषणा <b>JVAT 504B</b> के निर्गमन हेतु प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।   |
| 15. | 2808 | 30.05.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन घोषणा पत्र <b>JVAT 504B</b> के निर्गमन हेतु प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।  |
| 16. | 2938 | 06.06.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन घोषणा पत्र <b>JVAT 504B</b> की योजना से 200   |

करोड़ रुपये से अधिक कर-देय सकल आवर्त के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को विमुक्त करने के संबंध में।

- |     |      |            |  |
|-----|------|------------|--|
| 17. | 4324 | 29.07.2013 | विभागीय अधिसूचना संख्या एस0ओ 143 दिनांक 23 जुलाई, 2011 के नियम 11A के उपनियम (2) के अधीन ऑन-लाईन केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण के संबंध में।  |
| 18. | 4386 | 03.08.2013 | वाणिज्य-कर विभाग द्वारा प्रशासित झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 तथा झारखण्ड होटल विलास कराधान नियमावली, 2011 के अधीन ऑन-लाईन कर विवरणी समर्पण योजना प्रारंभ करने (Online submission of Return) के संबंध में।  |
| 19. | 4388 | 03.08.2013 | वाणिज्य-कर विभाग द्वारा प्रशासित अंगीकृत विद्युत शुल्क अधिनियम, 1948 (झारखण्ड विद्युत शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2011 द्वारा यथासंशोधित) तथा अंगीकृत विद्युत शुल्क नियमावली, 1949 (झारखण्ड विद्युत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 द्वारा यथा संशोधित) के अधीन ऑन-लाईन कर विवरणी समर्पण योजना प्रारंभ करने (Online Submission of Return Scheme) के संबंध में। |
| 20. | 5241 | 25.09.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 42 (2) के अधीन प्रावधानित घोषणा पत्र JVAT 504P के निर्गमन हेतु झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B तथा नियम 42 (12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के अधीन प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।  |

- |     |      |            |  |
|-----|------|------------|--|
| 21. | 5408 | 18.10.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B तथा नियम 42 (12) के अधीन राज्य के भीतर परिगमन हेतु प्रयुक्त घोषणा पत्र <b>SUGAM P</b> की योजना से राज्य के निबंधित तेल कम्पनियों सर्वश्री इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, सर्वश्री भारत पेट्रोलियम कम्पनी लिमिटेड तथा सर्वश्री हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कम्पनी को विमुक्त करने के संबंध में |
| 22. | 3839 | 23.11.2013 | झारखण्ड होटल विलास कराधान नियमावली, 2011 के नियम 3 (9) के अन्तर्गत ऑन-लाईन JHLT Profile भरने तथा नियम 8 (5) के अधीन ऑन-लाईन Daily Occupancy Report प्रतिवेदित करने की प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।   |
| 23. | 6081 | 11.12.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन घोषणा पत्र JVAT 504B की योजना से सभी व्यवसायिक के लिए अनिवार्य करने के संबंध में।   |
| 24. | 6102 | 13.12.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B तथा नियम 42 (12) के अधीन राज्य के भीतर परिगमन हेतु प्रयुक्त घोषणा पत्र <b>SUGAM P</b> की विहित प्रक्रिया में संशोधन करने के संबंध में।  |
| 25. | 6342 | 31.12.2013 | झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 74 तथा सुसंगत नियमावली के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में <b>Transit Movement for Online Transit Pass</b> (झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम 2005 की धारा 72 (11) तथा सुसंगत नियमावली के नियम 43 के साथ पठित) के निर्गमन की प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।                     |

26. 57 07.01.2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन निर्गत SUGAM G, SUGAM B तथा SUGAM P के ऑन-लाईन रद्दीकरण के संबंध में।
27. 387 31.01.2014 केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 11A उपनियम-(2) के अधीन ऑन-लाईन केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्र 'एफ' के निर्गमन के संबंध में।
28. 555 19.02.2014 JVAT 504G (SUMAM G ) के ऑन-लाईन निर्गमन संबंधित Validation के संबंध में।
29. 862A 13.03.2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन घोषणा पत्र SUGAM B (JVAT 504B) की वैधता (Validation) बढ़ाने के संबंध में।
30. 852A 13.03.2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B तथा नियम 42 (12) के अधीन राज्य के भीतर परिगमन हेतु प्रयुक्त घोषणा पत्र SUGAM P की विहित प्रक्रिया में संशोधन करने के संबंध में।
31. 1094 28.03.2014 विभागीय अधिसूचना संख्या एस0ओ 143 दिनांक 23 जुलाई, 2011 के नियम 11A के उपनियम (2) के अधीन निर्गत ऑन-लाईन केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण के संबंध में।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

एम०आर० मीणा,

सचिव-सह-आयुक्त ।



## अधिसूचना

28 अगस्त, 2014

**एस०ओ०- 12** दिनांक- 28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (झारखण्ड अधिनियम, 05, 2006) की धारा 29 के अधीन कर-विवरणी दाखिल करने तथा धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automotion) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली 2006 के नियम 14 (12) (i) के अधीन ऑन-लाइन विवरणी (मूल एवं पुनरीक्षित) समर्पित करने हेतु प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. सर्वप्रथम ई-फाइलिंग की व्यवस्था ऐसे निबंधित व्यवसायियों के लिए **अनिवार्य** की जायेगी जिनका वार्षिक सकल आवर्त एक करोड़ से अधिक है। क्रमिक रूप से शेष व्यवसायी भी उक्त योजना में शामिल हो सकेंगे।
2. प्रारंभ में चिन्हित व्यवसायियों के लिए पहली बार विभाग द्वारा पहचान संख्या/पासवर्ड (Identification Number / Password) निर्गत किये जायेंगे। व्यवसायी संबंधित अंचल प्रभारियों से उक्त पहचान संख्या/पासवर्ड (Identification Number / Password) सीलबंद लिफाफे में प्राप्त कर सकते हैं।
3. उपर्युक्त तरीके से प्राप्त पहचान संख्या/पासवर्ड (Identification Number / Password) की सहायता से, पहली बार व्यवसायी विभागीय वेबसाईट [www.jharkhandcomtax.nic.in](http://www.jharkhandcomtax.nic.in) या [jharkhand.gov.in](http://jharkhand.gov.in) के पते पर Login कर सकते हैं। तदोपरांत व्यवसायी को अपना पासवर्ड परिवर्तित करना होगा अन्यथा वे ई-फाइलिंग नहीं कर पायेंगे। इस प्रासंगिक प्रक्रिया की पूरी जानकारी Online e-filing User Manual के रूप में उपरोक्त वेबसाईट पर भी उपलब्ध है जिसे डाउनलोड किया जा सकता है। भविष्य में, व्यवसायी अपनी इच्छानुसार पासवर्ड में परिवर्तन कर सकते हैं। उक्त पासवर्ड एक अत्यधिक सुरक्षित तथा गोपनीय कोड/मापदण्ड है जिसकी सुरक्षा/गोपनीयता की सम्पूर्ण जिम्मेवारी संबंधित व्यवसायी की ही होगी। व्यवसायी द्वारा पासवर्ड के भूल जाने की स्थिति में, सॉफ्टवेयर द्वारा कतिपय जानकारी प्राप्त कर पुनः पासवर्ड निर्गत करने की व्यवस्था है।
4. ई-फाइलिंग प्रणाली के अधीन व्यवसायी विवरणी समर्पित करने के उद्देश्य से विहित प्रपत्र JVAT, (मासिक विवरणी) JVAT 214 (मासिक विवरणी) एवं JVAT 200 (त्रैमासिक विवरणी) में अपनी विवरणी विभाग को समर्पित कर सकेंगे। व्यवसायियों द्वारा अलग से हार्ड कापी में उपर्युक्त विवरणियों को समर्पित करना अपेक्षित नहीं होगा। व्यवसायियों द्वारा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 14 (11) के अधीन वार्षिक विवरणी समर्पित करने के साथ-साथ ई-फाइलिंग के माध्यम से दाखिल त्रैमासिक विवरणियों (JVAT 200) की हस्ताक्षरित प्रति भी समर्पित करनी होगी।
5. ई-फाइलिंग के उद्देश्य हेतु निर्धारित तिथिया, नियम 14 में विहित तिथियों के समान रहेंगी। विहित समय पर विवरणियों की ई-फाइलिंग नहीं करने की परिस्थिति में धारा 30 (1) (C) के प्रावधान

लागू होंगे तथा प्राधिकृत पदाधिकारी इस आशय तक विधि सम्मत कार्रवाई करने हेतु स्वतंत्र एवं सक्षम होंगे।

6. वर्तमान में ई-फाइलिंग से संबंधित साफ्टवेयर में वार्षिक विवरणी को समर्पित करने का प्रावधान विहित नहीं किया जा रहा है परन्तु भविष्य में, उक्त व्यवस्था में भी यथाआवश्यक संशोधन/परिवर्तन किया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर ई-फाइलिंग व्यवस्था की प्रक्रिया में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

7. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 2293 दिनांक 3 सितम्बर, 2009 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-13** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (झारखण्ड अधिनियम, 05, 2006) की धारा 29 के अधीन कर भुगतान करने, धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automotion) तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली 2006 के नियम 3B तथा 15 (6) (f) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन कर भुगतान की प्रक्रिया की निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. सर्वप्रथम ई-पेमेंट की व्यवस्था ऐसे निबंधित व्यवसायियों के लिए अनिवार्य की जायेगी जिनकी वार्षिक कर देयता 5 लाख रुपये या उससे अधिक है। उक्त निर्धारित सीमा से कम कर-भुगतान करने वाले इच्छुक निबंधित व्यवसायी भी ई-पेमेंट की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

अप्रैल, 2011 से उक्त योजना सभी निबंधित व्यवसायियों के लिए अनिवार्य रूप से लागू होगी।

2. वित्त विभाग, झारखण्ड द्वारा कोषागार संहिता के नियम 10, 97 एवं 452 के निहित प्रावधानों में आवश्यक सुधार कर ऑन-लाईन भुगतान से संबंधित कंडिका अन्तःस्थापित कर दी गयी है।

3. वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, भारत सरकार द्वारा e-governance के बिन्दु पर दिए गए मार्गदर्शन के अनुसार ऑन-लाईन भुगतान प्रणाली, कम से कम पाँच बैंकों के साथ होनी चाहिए। सम्प्रति विभाग द्वारा ऑन-लाईन भुगतान प्रणाली की शुरुआत स्टेट बैंक आफ इंडिया के साथ की जा रही है क्योंकि रिजर्व बैंक आफ इंडिया, बिहार/झारखण्ड द्वारा झारखण्ड राज्य में सरकारी व्यवसाय को Handle करने हेतु सिर्फ स्टेट बैंक आफ इंडिया को ही प्राधिकृत किया गया है।

अन्य बैंकों के साथ भी ऑन-लाईन भुगतान प्रणाली प्रारंभ करने हेतु रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

4. सम्प्रति स्टेट बैंक आफ इंडिया के साथ ऑन-लाइन भुगतान की प्रणाली को प्रारंभ करने के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित व्यवसायियों के पास स्टेट बैंक आफ इंडिया के इंटरनेट बैंकिंग खाता की सुविधा उपलब्ध हो।

5. ऑन-लाइन भुगतान करने वाले व्यवसायियों को विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.nic.in> या <http://www.jharkhand.gov.in> के link के option से स्टेट बैंक आफ इंडिया के वेबसाइट पर transfer की सुविधा प्राप्त होगी। स्टेट बैंक आफ इंडिया द्वारा अपने खाता-धारकों (account-holder) को login करने के लिए ID/Password की सुविधा दी जाएगी। उक्त ID/Password के माध्यम से खाताधारक बैंक के वेबसाइट पर Login कर पाएंगे। Login करने के उपरांत Screen पर एक Performa आएगा जिसमें Tax Type, TIN व्यवसायी का नाम/पता, अंचल का नाम, भुगतान की अवधि, भुगतान की प्रकृति (Admitted Tax, Assessed Tax/ Interest/Penalty इत्यादि) के विवरण की जानकारी भरनी होगी। Performa का प्रारूप निम्नवत् है:-

1	<b>Tax Type</b>	<b>List of Act choose any one (VAT/ENT/LT/ED/ADV/TDS/JST/CST/ENT)</b>
2	<b>TIN *</b>	<b>Tin no of the dealer</b>
3	<b>Name *</b>	<b>Name of the dealer</b>
4	<b>Address *</b>	<b>Address of the dealer</b>
5	<b>Circle Name</b>	<b>Circle of the dealer</b>
6	<b>Period of Payment *</b>	<b>Period of tax</b>
7	<b>Admitted Tax</b>	<b>0.00</b>
8	<b>Assessed Tax</b>	<b>0.00</b>
9	<b>Interest</b>	<b>0.00</b>
10	<b>Penalty</b>	<b>0.00</b>
11	<b>Misc (Miscellaneous)</b>	<b>0.00</b>
12	<b>Total</b>	<b>0.00</b>

तदोपरांत व्यवसायी द्वारा अपने बैंक खाते के माध्यम से ई-पेमेंट की कार्रवाई पूरी की जा सकेगी। स्टेट बैंक आफ इंडिया के वेबसाइट से एक e-receipt निर्गत होगा जिसे व्यवसायी भुगतान के प्रमाणस्वरूप प्रयुक्त कर सकते हैं। इस प्रकार झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के

नियम-15 के प्रावधान के अधीन विहित चालान प्रपत्र JVAT 205 के प्रतिस्थानी (Substitute) के रूप में उक्त e-receipt को कर-भुगतान का प्रमाण समझा जाएगा।

विभागीय वेबसाइट पर उपर्युक्त वर्णित e-receipt का विवरण उपलब्ध होगा जिससे संबंधित पदाधिकारी, व्यवसायियों द्वारा उपस्थापित e-receipt का प्रतिसत्यापन कर सकेंगे।

अन्य बैंकों के साथ ऑन-लाईन भुगतान की व्यवस्था प्रारंभ होने के उपरांत उपर्युक्त व्यवस्था अन्य बैंकों के साथ भी लागू होगी।

6. स्टेट बैंक आफ इंडिया के द्वारा राँची स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया, हटिया शाखा, राँची में एक Pooling Account / Nodal Account खोला जाएगा। स्टेट बैंक आफ इंडिया की सारी शाखाएँ उक्त Pooling Account / Nodal Account में वाणिज्य-कर के कर-भुगतान से संबंधित विवरणी प्रेषित करेंगी। तदोपरांत उक्त Pooling Account / Nodal Account विभागीय कर-भुगतान राशि की समेकित विवरणी रिजर्व बैंक आफ इंडिया को प्रेषित करेगी। साथ-साथ, उक्त Pooling Account / Nodal Account के माध्यम से उक्त समेकित विवरणी Cyber Treasury (प्रोजेक्ट भवन कोषागार) को प्रेषित किया जायेगा।

Cyber Treasury संबंधित समेकित विवरणी विभागीय साफ्टवेयर "VICTORY" के माध्यम से मुख्यालय तथा सभी प्रमण्डलों/ अंचलों को प्रेषित करेगी। विभागीय साफ्टवेयर द्वारा उक्त समेकित विवरणी से आवश्यक MIS तैयार कर अंचलवार कर भुगतान का विवरण सभी प्रमण्डलों, अंचलों तथा मुख्यालय को प्रेषित करेगी।

अन्य बैंकों के साथ ऑन-लाईन भुगतान की व्यवस्था प्रारंभ होने के उपरांत उपर्युक्त व्यवस्था अन्य बैंकों के साथ भी लागू होगी।

7. वित्त विभाग, झारखण्ड द्वारा प्रोजेक्ट भवन स्थित कोषागार को Cyber Treasury के तौर पर अधिसूचित किया गया है। उक्त Cyber Treasury में State Bank of India के Pooling Account / Nodal Account द्वारा कर-भुगतान की समेकित विवरणी प्रेषित की जाएगी।

8. विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.nic.in> या <http://www.jharkhand.gov.in> पर ऑन-लाईन भुगतान की प्रक्रिया की पूरी जानकारी **Online e-payment Manual** के रूप में उपलब्ध है जिसे डाउनलोड किया जा सकता है।

9. ई-पेमेंट के उद्देश्य हेतु निर्धारित तिथिया, झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली नियम 15 के प्रावधान यथावत् लागू रहेंगे। विहित समय पर भुगतान नहीं करने की स्थिति में झारखण्ड मूल्यवर्द्धित

कर अधिनियम की धारा 30 (3) के दण्डात्मक प्रावधान लागू होंगे तथा प्राधिकृत पदाधिकारी इस आशय तक विधि सम्मत कार्रवाई करने हेतु स्वतंत्र एवं सक्षम होंगे।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर ऑन-लाइन कर भुगतान योजना की प्रक्रिया में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

10. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 4767 दिनांक 9 दिसम्बर, 2010 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

एस०ओ०-14 दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (झारखण्ड अधिनियम, 05, 2006) की धारा 29 के अधीन कर-विवरणी दाखिल करने तथा धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automotion) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली 2006 के नियम 3B तथा नियम 14 (12) (i) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में Facilitation Centre (Common Service Centre) के माध्यम से ऑन-लाइन विवरणी (मूल एवं पुनरीक्षित) समर्पित करने तथा सभी निबंधित व्यवसायियों के लिए अनिवार्य रूप से ऑन-लाइन विवरणी दाखिल करने की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. विवरणियों की ई-फाइलिंग की व्यवस्था ऐसे सभी निबंधित व्यवसायियों के लिए अनिवार्य की जाती है जिनका वार्षिक सकल आवर्त 40 लाख से अधिक है ।

सभी अंचल प्रभारी अनिवार्य रूप से ऐसे व्यवसायियों की विवरणियां Online Filing की व्यवस्था द्वारा ही प्राप्त करेंगे। 40 लाख वार्षिक सकल आवर्त से कम सकल आवर्त वाले इच्छुक व्यवसायी भी Online Filing of Returns की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

माह अप्रैल, 2011 से सभी निबंधित व्यवसायियों के लिए विवरणियों की ऑन-लाइन फाइलिंग अनिवार्य हो जाएगी।

2. व्यवसायियों द्वारा स्वतः ऑन-लाइन विवरणी दाखिल करने की प्रक्रिया -

ऐसे व्यवसायी जिनके पास अपना IT Infrastructure है, अपने कार्यालय अथवा आवास से स्वतः ऑन-लाइन विवरणी दाखिल कर सकते हैं जिसकी प्रक्रिया निम्नवत् होगी:-

1. जिन व्यवसायियों की वार्षिक सकल आवर्त 40 लाख से अधिक है उन्हें अंचल प्रभारी के समक्ष आवेदन देकर ऑन-लाइन फाइलिंग हेतु पहचान संख्या/पासवर्ड (Identification Number / Password) प्राप्त करना होगा। अंचल प्रभारी संबंधित व्यवसायी की जाँच कर, उक्त पहचान संख्या/पासवर्ड (Identification Number / Password) सीलबंद लिफाफे में निर्गत करेंगे।

II. उपर्युक्त तरीके से प्राप्त पहचान संख्या/पासवर्ड (Identification Number / Password) की सहायता से, पहली बार व्यवसायी विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.nic.in> या <http://www.jharkhand.gov.in> के पते पर Login कर सकते हैं। तदोपरांत व्यवसायी को अपना पासवर्ड **परिवर्तित** करना होगा अन्यथा वे ई-फाइलिंग नहीं कर पायेंगे। इस प्रासंगिक प्रक्रिया की पूरी जानकारी Online e-filing User Manual के रूप में उपरोक्त वेबसाइट पर भी उपलब्ध है जिसे डाउनलोड किया जा सकता है। भविष्य में, व्यवसायी अपनी इच्छानुसार पासवर्ड में परिवर्तन कर सकते हैं। उक्त पासवर्ड एक अत्यधिक सुरक्षित तथा गोपनीय कोड/मापदण्ड है जिसकी सुरक्षा/गोपनीयता की सम्पूर्ण जिम्मेवारी संबंधित व्यवसायी की ही होगी। व्यवसायी द्वारा पासवर्ड के भूल जाने की स्थिति में, साफ्टवेयर द्वारा कतिपय जानकारी प्राप्त कर पुनः पासवर्ड निर्गत करने की व्यवस्था है।

III. ई-फाइलिंग प्रणाली के अधीन व्यवसायी विवरणी समर्पित करने के उद्देश्य से विहित प्रपत्र JVAT 2013, (मासिक विवरणी) JVAT 214 (मासिक विवरणी) एवं JVAT 200 (त्रैमासिक विवरणी), JVAT 204, (वार्षिक विवरणी) तथा केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के अधीन FORM I (Return of CST) में अपनी विवरणी विभाग को समर्पित कर सकेंगे। व्यवसायियों द्वारा अलग से हार्ड कापी में उपर्युक्त विवरणियों को समर्पित करना अपेक्षित नहीं होगा। किन्तु, व्यवसायियों द्वारा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 14 (11) के अधीन वार्षिक विवरणी की हस्ताक्षरित हार्ड कापी समर्पित करने के साथ-साथ ई-फाइलिंग के माध्यम से दाखिल सभी त्रैमासिक विवरणियों (JVAT 200) की हस्ताक्षरित प्रति भी समर्पित करनी होगी।

### 3. Facilitation Centre (Common Service Centre) के माध्यम से ऑन-लाईन विवरणी दाखिल करने की प्रक्रिया -

ऐसे व्यवसायियों के लिए जिनके पास IT Infrastructure नहीं है, Online Filing of Returns की सुविधा देने हेतु विभाग द्वारा सभी अंचलों के क्षेत्राधिकार में Facilitation Centres (common Service Centres)- प्रज्ञा केन्द्रों की सुविधा प्राप्त की गयी है जिनके माध्यम से व्यवसायी विवरणियों की Online Filing कर सकते हैं जिसकी प्रक्रिया निम्नवत् होगी:-

- i. विभाग द्वारा अंचलवार Facilitation Centre का चुनाव किया गया है जिसकी सूची पत्र के साथ संलग्न की जा रही है।

चयनित Facilitation Centre का कार्य दिवस, सोमवार से शनिवार (घोषित सरकारी छुटियों के अतिरिक्त) होगी तथा कार्य अवधि पूर्वाह्न 10.00 से अपराह्न 5.00 बजे तक होगा।

- ii. ऑन-लाईन रिटर्न दाखिल करने के लिए विभागीय साफ्टवेयर 'VICTORY' द्वारा सभी अधिकृत Facilitation Centre को ID / Password निर्गत किया जाएगा जिसके माध्यम से उक्त Facilitation Centre विवरणियों को ऑन-लाईन प्रेषित करेंगे।

Facilitation Centre के माध्यम से ऑन-लाईन विवरणी दाखिल करने हेतु व्यवसायियों को ID / Password की आवश्यकता नहीं होगी।

- iii. उक्त Facilitation Centre (common Service Centre) द्वारा विवरणियों के ऑन-लाईन प्रेषण के उपरांत, उक्त प्रेषित विवरणी की एक प्रति व्यवसायी को हस्तगत कराई जाएगी जिसपर व्यवसायी हस्ताक्षर कर संबंधित Facilitation Centre को वापस करेंगे।
- iv. संबंधित Facilitation Centre के द्वारा, एक माह की अवधि में ऑन-लाईन दाखिल की गई सभी विवरणियों की हस्ताक्षरित प्रतियों को समेकित रूप से संबंधित अंचल को हस्तगत कराई जाएगी ताकि Facilitation Centre द्वारा दाखिल की गई विवरणियाँ का प्रतिसत्यापन किया जा सके।

- v. Facilitation Centre के माध्यम से ऑन-लाईन फाईलिंग की सुविधा 40 लाख से कम सकल आवर्त वाले सभी निबंधित व्यवसायियों के लिए भी ऐच्छिक रूप से उपलब्ध होगी

**लेकिन 40 लाख या उससे अधिक वार्षिक सकल आवर्त वाले व्यवसायियों के लिए ऑन-लाईन फाईलिंग की अनिवार्यता बनी रहेगी।**

4. ई-फाईलिंग के उद्देश्य हेतु (स्वतः अथवा Facilitation Centre के माध्यम से) निर्धारित तिथिया, नियम 14 में विहित तिथियों के समान रहेंगी। विहित समय पर विवरणियों की ई-फाईलिंग नहीं करने की परिस्थिति में धारा 30 (1) (ब) के प्रावधान लागू होंगे तथा प्राधिकृत पदाधिकारी इस आशय तक विधि सम्मत कार्रवाई करने हेतु स्वतंत्र एवं सक्षम होंगे।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर ई-फाईलिंग व्यवस्था की प्रक्रिया में यथाआवश्यक संशोधन/परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

5. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 4284 (अनु0) दिनांक 20 अक्टूबर, 2010 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-15** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 (झारखण्ड अधिनियम, 05, 2006) की धारा 29 के अधीन कर कर विवरणी दाखिल करने, धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automation) तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली

2006 के नियम 3B तथा 14 (12) (i) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में विवरणियों की ऑन-लाइन फाईलिंग के क्रम में दिए जाने वाले बिक्री मूल्य तथा देय कर के साथ-साथ ऑन-लाइन बिक्री का विस्तृत विवरण (Statement) समर्पित करने की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के **Schedule II, Part- E** के अधीन पेट्रोलियम प्रोडक्ट तथा शराब के लिए अलग-अलग तथा **Schedule II, Part-B, C, D और F** के लिए समेकित विहित प्रपत्र, कर-दर के आधार पर तैयार किया गया है। निबंधित व्यवसायियों द्वारा अनिबंधित व्यवसायियों तथा उपभोक्तकों को की गयी बिक्री का ब्यौरा अलग विहित प्रपत्र में देना अपेक्षित है। उक्त विहित प्रपत्रों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है:-

(i) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के **Schedule II, Part- E** के अधीन पेट्रोलियम पदार्थ हेतु:-

SALE DETAILS OF REGISETERED PETRO PRODUCTS DEALER						
Sl. No.	Name & Style of Registered dealer to whom sale is made	TIN		Value of Sales		Total
			Petrol 20%	Diesel 18%	ATF 4%	

(ii) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के **Schedule II, Part-E** के अधीन शराब हेतु-

SALE DETAILS OF REGISETERED PETRO PRODUCTS DEALER					
Sl. No.	Name & Style of Registered dealer to whom sale is made	TIN		Value of Sales	Total
			IMFL 50%	Country Liquors 35%	

(iii) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के **Schedule II, Part-B, C, D और F** के अधीन निबंधित व्यवसायियों की गयी कर-वार बिक्री हेतु-



**SALE DETAILS OF REGISTETERED DEALERS(DETAILS OF FORM JVAT 200****(34A(A)+35(A)+36(A)+37(A)+38(A)))****[Total Value = Registered + Unregistered + Consumer]**

SI No .	Name & Style of Registered dealer to whom sale is made	TIN	Value of Goods							Total
			1%	2% (K. Oil through PDS)	5%	10%	14%	20% (Tobacco)	Goods supplied free of cost or by other manner	

(iv) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के **Schedule II, Part-B, C, D और F** के अधीन अनिवार्यतः व्यवसायियों को गयी कर-वार बिक्री हेतु-

**SALE DETAILS OF UNREGISTERED DEALERS(DETAILS OF FORM JVAT****200 (34A(A)+35(A)+36(A)+37(A)+38(A)))****[Total Value = Registered + Unregistered + Consumer]**

SL NO .	Name & Style of Unregistered dealer to whom sale is made	Complete Address	Value of Goods							Total
			1%	2% (K. Oil through PDS)	5%	10%	14%	20% (Tobacco)	Goods supplied free of cost or by other manner	

(v) झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के **Schedule II, Part-B, C, D और F** के अधीन उपभोक्ताओं को गयी बिक्री हेतु-

**CONSUMER SALE****[Total Value = Registered + Unregistered + Consumer]****Amount**

उक्त प्रक्रिया के अधीन झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 14 (2) एवं 14 (7) के अधीन विवरणी/ संशोधित विवरणी देने के क्रम में की गयी बिक्री का ब्यौरा विहित प्रपत्र में देंगे। व्यवसायियों को इस आशय का निदेश साफ्टवेयर के माध्यम से दिया जा रहा है कि उनके द्वारा दाखिल मासिक कर-विवरणी JVAT 200 में दिए गए कुल बिक्री का विवरण विभिन्न कर-दर की बिक्रियों के कुल योग के बराबर होना चाहिए  $((34A(A)+35(A)+36(A)+37(A)+38(A))) A$

2. माह, अप्रैल, 2013 की कर-विवरणी देने की देय अंतिम तिथि 25 मई, 2013 को बढ़ाकर 31 मई, 2013 की जाती है ताकि व्यवसायी उपरोक्त वर्णित बिक्री का विवरणी भर सकें। विवरणी भरने की विहित तिथि को शिथिल करने की उक्त सुविधा मात्र अप्रैल, 2013 की कर विवरणी हेतु उपलब्ध होगी।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

3. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 2513 दिनांक 14 मई, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-16** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automotion**) के उद्देश्य तथा तथा केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 11A के उपनियम (2) अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन केन्द्रीय प्रपत्र 'सी' के निर्गमन की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. संशोधित केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 (अधिसूचना संख्या 143 दिनांक 23.07.2011) के नियम 3A के साथ पठित CST Act के अधीन सभी निबंधित व्यवसायियों को TIN प्रदान किया जाएगा जो कि झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के अधीन प्रदत्त TIN के साथ अंत में (**suffix**) के रूप में 3 अंकों "101" की संख्या जोड़ी जायेगी।

2. (क) समयाभाव को ध्यान में रखते हुए प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सभी निबंधित व्यवसायियों को ऑन-लाईन "**CST Profile**" बनाने हेतु सूचित किया गया है। उक्त सूचना विभागीय

बेवसाईट [www.jharkhandcomtax.nic.in](http://www.jharkhandcomtax.nic.in) पर भी उपलब्ध है। वस्तुतः उक्त Profile, Central Sales Tax (Registration and Turnover) Rules, 1957 के अधीन विहित आवेदन 'Form-A' ही है।

(ख) 'CST Profile' भरने के उपरांत व्यवसायियों को Central Sales Tax (Registration and Turnover) Rules, 1957 के अधीन निर्गत प्रमाण पत्र (Form-B) को विभागीय बेवसाईट [www.jharkhandcomtax.nic.in](http://www.jharkhandcomtax.nic.in) पर भी upload करना अनिवार्य है। अंचल में निबंधित व्यवसायियों के स्थायी अभिलेख (Permanent Record) से, उक्त uploaded प्रमाण पत्र (Form-B) का मिलान कर, अंचल प्रभारियों को व्यवसायी द्वारा Online भरे गये CST Profile को विभागीय डाटाबेस में Include करना है।

(ग) तदोपरांत विभागीय साफ्टवेयर द्वारा नया निबंधन प्रमाण पत्र कंडिका-1 में वर्णित TIN के साथ स्वतः निर्गत हो जाएगा। अंचल प्रभारी द्वारा उक्त निर्गत निबंधन प्रमाण पत्र (Registration Certificate) की हस्ताक्षरित प्रति निबंधित व्यवसायियों को अलग से उपलब्ध कराई जा सकती है।

(घ) इस तथ्य की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना भी अतिआवश्यक है कि Online issuance of Forms की सुविधा हेतु, व्यवसायियों CST Profile Update करने की प्रक्रिया पूरी करना आवश्यक है।

(ङ) Online Issuance of 'C' Form के क्रम में, विभागीय साफ्टवेयर द्वारा उक्त जानकारीयाँ डाटाबेस से स्वतः संप्रेषित (Transmit) होगी।

3. Online Issuance of Central Forms के लिए अगली प्रक्रिया के क्रम में व्यवसायियों द्वारा VAT तथा CST का Online Return समर्पित करना तथा Online Payment करना आवश्यक है।

4. केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 7 (1) के अधीन व्यवसायियों को प्रति 25 केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्रों (पन्नें) के लिए विहित 100 रुपये का शुल्क जमा करने का प्रावधान यथावत रहेगा। उक्त शुल्क CST के अधीन वैट के TIN के साथ Admitted Tax Menu में उपलब्ध 'Miscellaneous' विकल्प में जमा किया जा सकता है।

5. व्यवसायियों को संशोधित केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के अधीन प्रावधानित विवरणी **Form I** की प्रविष्टि-27 (Box) को प्रत्येक त्रैमास के अगले महीने अर्थात् क्रमशः जुलाई, अक्टूबर, जनवरी तथा अप्रैल माह में भरना है। साथ ही उक्त कालम के नीचे अंकित "upload invoice" के button को click करते हुए, विहित प्रपत्र में invoice detail भरना आवश्यक है।

6. उक्त अनुलग्नक में व्यवसायियों द्वारा किए गए अन्तर्राज्य क्रय (जिनके विरुद्ध Form 'C' की माँग की जा रही है) का invoice based विवरण देना है। उल्लेखनीय है कि Invoice detail पूर्णतः

केन्द्रीय बिक्री कर त्रैमासिक विवरणी की प्रविष्टि-27 (Box) में भरे गये विवरण के समरूप (matching) हों।

7. व्यवसायियों को झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के अधीन प्रावधानित मासिक विवरणी JVAT 200 के कालम-47 (balance VAT payable) तथा केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के अधीन प्रावधानित मासिक विवरणी (Form-I) के कालम-26 "Balance total net amount payable" के अनुसार, **कर-राशि का भुगतान करना अनिवार्य है, अन्यथा विभागीय साफ्टवेयर द्वारा ऑन-लाईन प्रपत्रों का निर्गमन/downloading नहीं हो पाएगा।**

8. उपरोक्त प्रक्रियाओं (validation) के अनुपालन के उपरांत व्यवसायी अपने id/password की सहायता से केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाईन निर्गमन हेतु **Application** दे सकेंगे। व्यवसायी विभागीय साफ्टवेयर के होमपेज के Central Form Menu के sub-menu में Apply for Form 'C' में जाकर केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 की धारा 3(a) तथा 3(b) के अधीन किए गए अंतर-राज्य क्रयों के विरुद्ध प्रपत्र 'सी' की अधियाचना (requisition) कर सकते हैं। प्रपत्र 'सी' की अधियाचना (requisition) के क्रम में केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के अधीन प्रावधानित त्रैमासिक विवरणी (Form-I) की प्रविष्टि-27 (Box) के निम्न भाग पर "upload Invoice" के अधीन भरे गये अनुलग्नक के अनुसार, प्रपत्र 'सी' का ऑन-लाईन निर्गमन/ download किया जा सकता है।

9. व्यवसायी उक्त अनुलग्नक को (upload Invoice) केन्द्रीय बिक्री कर त्रैमासिक विवरणी भरने के क्रम में या 'C' Form के Application के क्रम में भर सकते हैं। तदोपरांत विभागीय साफ्टवेयर द्वारा invoice detail के आधार पर केन्द्रीय प्रपत्र 'सी' निर्गमित/ download हो पाएगा। उक्त प्रपत्र तीन प्रतियों में यथा Counter foil, Duplicate एवं Original में निर्गमित/ download होगा। व्यवसायी उक्त तीनों प्रतियों हेतु A4 साईज पेपर पर, प्रिंट आउट निकालकर अपने मुहर जिसमें व्यवसायी का नाम एवं TIN के साथ 101 अंकित हो के साथ अपने व्यवसाय उद्देश्य हेतु Authorized व्यक्ति द्वारा ही हस्ताक्षरित कर, दूसरे राज्य के बिक्रेता व्यवसायी को प्रेषित करेंगे।

10. विभागीय वेबसाईट पर ऑन-लाईन निर्गमित वैधानिक प्रपत्रों की inventory उपलब्ध रहेगी। साथ ही, TINXSYS पोर्टल पर भी ऑन-लाईन निर्गमित/ download वैधानिक प्रपत्रों का विवरण उपलब्ध रहेगा जिसका प्रतिसत्यापन किया जा सकेगा।

11. वैधानिक प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाईन निर्गमन के उपरांत संबंधित त्रैमासिक या मासिक विवरणियों (प्रान्तीय एवं केन्द्रीय) के संशोधन का विकल्प, व्यवसायियों को उपलब्ध नहीं होगा।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

12. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 327 (अनु०) दिनांक 25 जनवरी, 2012 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-17** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automotion) के उद्देश्य तथा तथा केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 11A के उपनियम (2) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन निर्गत केन्द्रीय प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाईन रद्दीकरण की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. व्यवसायी ऑन-लाईन निर्गत प्रपत्र 'सी' के निर्गमन तिथि के **7 दिनों की** अवधि में ही आवश्यक रूप से संबंधित प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण हेतु अध्याचना करेंगे।  
**दिनांक 01.08.2013** के पूर्व निर्गमित ऑन-लाईन प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण के लिए उक्त समय सीमा लागू नहीं होगी।
2. सर्वप्रथम व्यवसायी ऑन-लाईन सेवाओं के लिए प्राप्त ID/ Password की सहायता से विभागीय साफ्टवेयर में Login करेंगे।
3. व्यवसायी अपने Home Page में जाकर Central Form के Menu के अधीन Issued Forms List के Sub-menu को click करेंगे।
4. व्यवसायी के समक्ष उनके द्वारा निर्गत ऑन-लाईन प्रपत्र 'सी' का सूची सामने आएगी।
5. उक्त सूची से व्यवसायी ऐसे प्रपत्र 'सी' का चुनाव करेंगे जिनका रद्दीकरण करना है।
6. तदोपरांत व्यवसायी को Central Form के Sub-menu के Cancellation of form 'C' को Click करना होगा।
7. "Search From C" के कालम में search करने पर चयनित प्रपत्र 'सी' की संख्या तथा पूर्ण विवरण सामने आएगी।
8. **Central Sales Tax (Registration & Turnover) Rules, 1957** के अधीन प्रावधानित **Indemnity Bond (Form G)** को **physically** संबंधित अंचल में समर्पित करने का **Alert** सामने आएगा। उक्त **Indemnity Bond (Form G)** को भरकर संबंधित अंचल में समर्पित करने के उपरांत ही **Form 'C'** के रद्दीकरण की ऑन-लाईन प्रक्रिया आगे बढ़ पाएगी।

9. एक **Alert Message** सामने आएगा जिसमें **TIN / Firm Name / Address of Seller/ Invoice No. / Invoice Date / Amount of Invoice/Purchase Order No./ Date / Commodity** को बदलने हेतु **check-Box** दिखेगा। व्यवसायी अपनी आवश्यकतानुसार संबंधित विवरण बदलने हेतु **Remarks** देकर submit करेंगे।
10. उपरोक्त प्रक्रिया के सफलतापूर्वक पूरा होने के उपरांत **“Request Submitted”** का **Message** सामने आएगा।  
इस प्रकार प्रपत्र ‘सी’ के रद्दीकरण के उपरांत **Dealer’s end** की कार्रवाई पूरी हो जाएगी और **Circle Incharge** को अग्रेतर कार्रवाई करनी होगी।
11. **Circle Incharge** अपने **ID/Password** की सहायता से विभागीय साफ्टवेयर **‘VICTORY’** में **Login** करेंगे। तदोपरांत **CST Menu** का चुनाव कर **‘C’ Form Cancellation, sub-menu** को **click** कर **Date wise** रद्दीकरण के आवेदनों (विवरण सहित) को देख सकेंगे।
12. **Circle Incharge** आवेदन की प्रविष्टियों की जाँच कर संतुष्ट होने के उपरांत **Central Sales Tax (Registration & Turnover) Rules, 1957** के अधीन प्रावधानित **Indemnity Bond (Form G)** को **physically** प्राप्त कर प्रपत्र ‘सी’ के रद्दीकरण के आवेदन को अनुमोदित करेंगे। रद्दीकरण के आवेदन से संतुष्ट नहीं होने पर कारण सहित आवेदन को अस्वीकृत कर सकेंगे।  
व्यवसायी उक्त **Rejection** की सूचना प्राप्त करने के उपरांत **Rejection** के कारण को संशोधित कर पुनः प्रपत्र ‘सी’ के रद्दीकरण हेतु निर्धारित प्रक्रिया में आवेदन प्रेषित कर सकते हैं। व्यवसायी द्वारा उक्त प्रपत्र ‘सी’ के ऑन-लाईन रद्दीकरण के पूर्ण एवं सही आवेदन (**Indemnity Bond, Form G** सहित) समर्पित करने के 7 दिनों की अवधि में अंचल प्रभारी द्वारा प्रपत्र ‘सी’ रद्दीकरण की उपरोक्त प्रक्रिया को पूरा करना आवश्यक है।
13. तदोपरांत मुख्यालय स्तर पर उपरोक्त वर्णित तरीके से अनुशंसित प्रपत्र ‘सी’ के रद्दीकरण की कार्रवाई पूरी की जाएगी।  
अंचल प्रभारी द्वारा प्रपत्र ‘सी’ के रद्दीकरण की ऑन-लाईन अनुशंसा के उपरांत तीन दिनों की अवधि में प्रपत्र ‘सी’ के रद्दीकरण की प्रक्रिया पूरा करना आवश्यक है।
14. पुनः व्यवसायी अपने **Home Page** पर जाकर प्रपत्र ‘सी’ के रद्दीकरण के आवेदन का **Status** देख सकेंगे। आवेदन के **Approval** की स्थिति में **Regenerate Cancelled C- Form** के **Sub-Menu** को **click** कर रद्दीकृत प्रपत्र ‘सी’ के बदले एक नया प्रपत्र ‘सी’ निर्गत कर सकेंगे।
15. उक्त नये प्रपत्र ‘सी’ में प्रमुखता से **“Re-generated new ‘C’ Form in lieu of Cancelled Form ‘C’ No. -”** अंकित होगा।
16. किसी एक निबंधित व्यवसायी द्वारा एक त्रैमास (Quarter) में 3 से अधिक ऑन-लाईन निर्गमित प्रपत्र ‘सी’ का रद्दीकरण नहीं किया जाएगा।

17. रद्दीकृत प्रपत्र 'सी' की सूची विभागीय वेबसाइट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) पर उपलब्ध होगी।
18. उपरोक्त प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) पर “ **'C' Form Cancellation and Regeneration Manual** ” में उपलब्ध है।  
इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।
19. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 4324 दिनांक 29 जुलाई, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-18** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु, केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 की धारा 7(1) तथा केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 के अधीन ऑन-लाईन प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम के अधीन निबंधन प्राप्त करने हेतु इच्छुक व्यवसायी विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.nic.in> के e-services Section के अधीन **e-registration** के link को **click** करने के उपरान्त VAT के साथ-साथ CST Registration, **Form-A** को भरकर ऑन-लाईन आवेदन समर्पित कर सकते हैं।
2. ऐसे व्यवसायी जिन्होंने झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन पूर्व में ही निबंधन प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.nic.in> के e-services Section के **e-return (Dealer's Login)** link के माध्यम से **Central Form Menu** के **Sub-menu CST Registration** में **click** कर विहित आवेदन प्रपत्र **Form-A** में ऑन-लाईन आवेदन समर्पित करना होगा।
3. अंचल प्रभारी द्वारा ऐसे दाखिल/प्राप्त ऑन-लाईन आवेदनों का सत्यापन (**verification**) किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने के दो दिनों के अन्दर व्यवसायी को sms/e-mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक कागजातों Security Bond सहित संबंधित अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होने की सूचना दी जाएगी।

निर्धारित तिथि एवं समय पर व्यवसायी ऑन-लाईन समर्पित आवेदन की हस्ताक्षरित हार्डकापी तथा अन्य संबंधित कागजातों की मूल प्रति के साथ अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होंगे। आवेदक व्यवसायी के आवेदन तथा उपस्थापित कागजातों के जाँच कर संतुष्ट होने के

उपरांत अंचल प्रभारी द्वारा निबंधन प्रमाण-पत्र (**Form-B** निर्गत किया जाएगा अन्यथा व्यवसायी के आवेदन को रद्द कर दिया जाएगा जिसकी सूचना sms/e-mail द्वारा कारण सहित आवेदक व्यवसायी को दी जाएगी।

4. CST के अधीन निबंधन प्रमाण पत्र के साथ आवंटित TIN झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के अधीन निर्गत TIN के समान होगा। उक्त TIN में अंतिम 3 Digit (**101**) Suffix कर दिया जाएगा।
5. ऑन-लाईन आवेदन तथा आवश्यक कागजात समर्पित करने के पाँच दिनों के भीतर TIN तथा निबंधन प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना आवश्यक है।
6. ऐसे व्यवसायी जो पूर्व में ही Manually CST निबंधन प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.nic.in> के e-services Section के **e-return (Dealer's Login)** में उपलब्ध **CENTRAL FORM** menu के Sub-menu "**CST Profile Update**" को **update** अपेक्षित है। CST Profile Update करने की पूरी प्रक्रिया विभागीय वेबसाइट के "**User Manual of Form 'C'**" में उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

7. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 2499 दिनांक 13 अगस्त, 2012 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-19** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 की धारा 7(4) एवं केन्द्रीय बिक्री कर (निबंधन तथा सकल आवर्त) नियमावली, 1957 के नियम 7(1) के अधीन प्रावधानित केन्द्रीय बिक्री कर निबंधन प्रमाण-पत्र के ऑन-लाईन संशोधन की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

**उक्त ऑन-लाईन CST Amendment की सुविधा निम्न व्यवसायियों को उपलब्ध होगी:-**

- ऐसे व्यवसायी जिन्होंने अपना CST Profile, Online Update कर नया CST Registration Certificate (Form B) प्राप्त किया है।
- ऐसे व्यवसायी जिन्होंने Online CST Registration Certificate (Form B) प्राप्त किया है।



केन्द्रीय बिकी कर अधिनियम, 1956 के अधीन निर्गत निबंधन प्रमाण-पत्र के **Online Amendment** की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. केन्द्रीय बिकी कर अधिनियम के अधीन निबंधन प्रमाण पत्र में संशोधन हेतु इच्छुक व्यवसायी विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.gov.in> के माध्यम से **Online Retrun Filing** हेतु प्राप्त ID/ Password की सहायता से Central Form Menu के sub-menu "CST Amendment" में **click** कर "**Online Application Form for Amendment in CST Certificate**" को **Open** कर सकते हैं।
2. व्यवसायी अपनी आवश्यकतानुसार संबंधित **Column** भरकर ऑन-लाईन आवेदन पत्र समर्पित कर सकते हैं।
3. अंचल प्रभारी द्वारा ऐसे दाखिल/प्राप्त ऑन-लाईन आवेदन का सत्यापन (**verification**) किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने 7 दिनों के अन्दर व्यवसायी को sms/e-mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक कागजातों सहित संबंधित अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होने की सूचना दी जाएगी।

निर्धारित तिथि एवं समय पर व्यवसायी ऑन-लाईन समर्पित आवेदन की हस्ताक्षरित हार्डकापी, मूल निबंधन प्रमाण-पत्र तथा अन्य संबंधित कागजातों की मूल प्रति के साथ अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होंगे। आवेदक व्यवसायी के आवेदन तथा उपस्थापित कागजातों की जाँच कर संतुष्ट होने के उपरांत मूल निबंधन प्रमाण-पत्र को वापस लेकर, अंचल प्रभारी द्वारा संशोधित केन्द्रीय निबंधन प्रमाण-पत्र (**Amended CST Certificate- Form B**) निर्गत किया जाएगा।

अंचल प्रभारी द्वारा उपस्थापित कागजातों से संतुष्ट नहीं होने की स्थिति में व्यवसायी के आवेदन को रद्द कर दिया जाएगा जिसकी सूचना sms/e-mail द्वारा कारण सहित आवेदक व्यवसायी को दी जाएगी।

4. ऑन-लाईन आवेदन तथा आवश्यक कागजात समर्पित करने के 10 दिनों के भीतर संशोधित केन्द्रीय निबंधन प्रमाण पत्र निर्गत करना आवश्यक है।
5. विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.gov.in> पर **CST Amendment** करने संबंधित पूरी प्रक्रिया "**User Manual for Amendment in CST Registration Certificate**" के रूप में उपलब्ध है, जिसे Download किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।।

6. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 3224 दिनांक 12 अक्टूबर, 2012 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-20** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु, तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में घोषणा पत्र रोड परमिट (JVAT 504G) की ऑन-लाईन निर्गमन की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

- व्यवसायी द्वारा विभागीय वेबसाईट <http://jharkhandcomtax.gov.in> पर उपलब्ध e-services menu के Dealer's Portal (e-return) में click करना।
- निबंधित व्यवसायी का अपने TIN एवं Password की सहायता से login करना
- e-Road Permit Menu का चयन करना।
- e-Road Permit Key Number Generation हेतु विवरणी भरना।
- प्रेषिती व्यवसायी (Consignee का नाम; Style of Business सहित), TIN मोबाईल, ईमेल, पता स्वतः अंकित होना।
- e-Road Permit Key की प्रविष्टियों को भरने हेतु व्यवसायी को Add Button click करना।
- तदोपरांत प्रेषक व्यवसायी (Consignor का विवरण TIN, Name, Style of Business, Details Address, Mobile No., e-mail address, Place of delivery का विवरण भरना।
- प्रेषक व्यवसायी (Consignor के अनिबंधित होने की स्थिति में निम्न TIN "9999999999" का स्वतः अंकित होना।
- तदोपरांत Save एवं Next button दबाने से Unique Road Permit No. संबंधित विवरण के साथ Screen पर दिखेगा। संबंधित विवरण में वस्तु के नाम का चयन commodity list से किया जा सकेगा।
- वस्तु के नाम के अतिरिक्त Quantity, Price, No. of Packages, कुल राशि का विवरण भरना होगा।
- तदोपरांत संबंधित डाटा को Save कर Submit button दबाना होगा। Submit button दबाने के उपरांत संबंधित विवरण Consignor के approval हेतु प्रेषित हो जाएगी।
- विभागीय साफ्टवेयर के माध्यम से एक Unique Road Permit Key Number एवं Secret Code Generate होगा जो Consignor के मोबाईल पर प्रेषित होगा।
- Consignor विभागीय वेबसाईट <http://jharkhandcomtax.gov.in> के Dealer's Portal (e-return) पर Click करेगा तथा जिससे "e-road permit link" खुलेगा।

- Consignor को अपने मोबाईल से प्राप्त Unique Road Permit Key Number एवं Secret Code की सहायता से Login करना है।
  - प्रेषक (Consignor व्यवसायी Dispatch of Goods, Invoice No. & Date तथा Transporter-Details भरेगा। तदोपरांत Save तथा Submit button दबाने के उपरांत Consignor संबंधित विवरण को सुधार नहीं सकता है।
  - उक्त प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत Consignor द्वारा e-Road Permit (JVAT 504G) का प्रिंटआउट (Annexure सहित) निकाला जा सकता है। ऐसे Self Generated Road Permt का प्रिंटआउट निकालकर राज्य में माल का परिवहन (आयात) किया जा सकता है।
  - ऐसे परिवहित माल प्राप्त होने के उपरांत राज्य के व्यवसायी (Consignee द्वारा अपने User ID एवं Password की सहायता से Dealer's Portal (e-return) में Login कर वस्तु (विस्तृत विवरण सहित) के प्राप्त होने की घोषणा करना अपेक्षित है।
  - उक्त Process flow का विस्तृत विवरण Screen-shot सहित संबंधित **User Manual E-Road Permit** पर देखा जा सकता है।
  - ऐसे ऑन-लाइन निर्गत रोड परमिट (JVAT 504G) का सत्यापन विभागीय पोर्टल <http://jharkhandcomtax.gov.in> के माध्यम से किया जा सकेगा।
2. 1, दिसम्बर, 2012 के पूर्व निर्गत किए गए Manual रोड परमिट (JVAT 504G) दिनांक 31, दिसम्बर, 2012 तक मान्य होंगे। पूर्व में Manually निर्गत रोड परमिट (JVAT 504G), 1, जनवरी, 2013 से स्वीकार्य नहीं होंगे।
  3. झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 42 (11) के अधीन निर्गत विभागीय पत्रांक 632 दिनांक 27.02.2012 के अन्तर्गत अनुज्ञापत्रों से छूट की प्रक्रिया से अनुज्ञापत्र JVAT 504G की विमुक्ति को समाप्त किया जाता है। संबंधित व्यवसायी उपरोक्त वर्णित प्रक्रिया के अधीन JVAT 504G का ऑन-लाइन निर्गमन करेंगे।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

4. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 3656 दिनांक 29 नवम्बर, 2012 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-21** दिनांक- 28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के आवश्यक हेतु, तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में घोषणा पत्र रोड परमिट (JVAT 504G) की ऑन-लाईन निर्गमन की विहित प्रक्रिया में राज्य के विभिन्न व्यवसायिक संघों/ फेडरेशन एवं व्यवसायिक घरानों द्वारा दिए गए सुझावों तथा अनुभूत व्यवहारिक कठिनाईयों के निराकरण हेतु निम्नवत् संशोधन किया जाता है:-

- Small Consignment की स्थिति में वाहन संख्या की प्रविष्टि अनिवार्य नहीं है लेकिन Transporter का नाम एवं पते की प्रविष्टि आवश्यक है।
- Invoice Details से मूल्य का कॉलम समाप्त कर दिया गया है।
- देश के बाहर से वस्तुओं के आयात (Import) के मामले में अन्य देशों (Other Country) के नाम की प्रविष्टि हेतु option दिया गया है।
- गाड़ी के खराब होने (Vehicle Break Down या रास्ते में गाड़ी बदलने (Transshipment) की स्थिति में आवश्यकतानुसार गाड़ी बदली जा सकती है। Consignor द्वारा उक्त e-road permit हेतु निर्गत Secret Code द्वारा पुनः Login करने पर संबंधित निर्गत e-road permit में "Transshipment" का Link आएगा। उक्त Link को click करने से Transport Details संबंधित कालम सामने आता है। उक्त **कॉलम** में Vehicle No., Transporter Name एवं Transporter Address को बदलने की सुविधा दी गयी है। लेकिन वाहन के साथ पूर्व निर्गत e-road permit तथा Original Transport Details ही अंकित होगी। विभागीय Mobile Squad द्वारा गाड़ी जाँच के क्रम में संलग्न **e-road permit** की संख्या के आधार पर विभागीय साफ्टवेयर से बदली गयी गाड़ी का सत्यापन किया जा सकता है।

व्यवसायियों द्वारा माल के परिवहन के क्रम में ऑन-लाईन निर्गत रोड परमिट की दो प्रतियाँ रखना आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 155 दिनांक 16 जनवरी, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-22** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में घोषणा पत्र रोड परमिट (JVAT 504B) की ऑन-लाईन निर्गमन की विहित प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

- व्यवसायी द्वारा विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.gov.in> पर उपलब्ध e-services menu के Dealer's Portal (e-return) में click करेंगे।
- निबंधित व्यवसायी अपने TIN एवं Password की सहायता से login करेंगे।
- e-Road Permit Menu में **e-Road Permit Blue** का चयन करेंगे।
- **e-Road Permit Blue** के Key Number Generation हेतु विवरणी भरेंगे।
- प्रेषक व्यवसायी (Consignor) का नाम (Style of Business सहित), TIN मोबाईल, ईमेल, पता स्वतः अंकित होगा।
- e-Road Permit Key की प्रविष्टियों को भरने हेतु व्यवसायी को Add Button click करेंगे।
- तदोपरांत प्रेषिती व्यवसायी (Consignee) का विवरण TIN, Name, Style of Business, Details Address, Mobile No., e-mail address, Place of delivery का विवरण भरेंगे।
- प्रेषिती व्यवसायी (Consignee) के अनिबंधित होने की स्थिति में निम्न **TIN "9999999999"** का स्वतः अंकित होगा।
- "Save & Next" button click करने के उपरांत **Unique Road Permit Generate** होगा।
- तदोपरांत **"Invoice details"** के अन्तर्गत संबंधित विवरण में वस्तु के नाम का चयन commodity list से करेंगे। वस्तु के नाम के अतिरिक्त **Invoice No., Invoice Date, Quantity, Price, No. of Packets, एवं Total Amount** का विवरण भरेंगे। Invoice की संख्या अधिक होने पर संबंधित विवरण संलग्न excel sheet को down load कर व्यवसायी अपने end पर भरकर पुनः upload कर सकेंगे।
- उसके बाद **Transport Details - Mode of Transport, Vehicle Registration No. Transporter Name & Address, Consignment Date एवं Note** एवं Place का विवरण भरेंगे। तदोपरान्त "Add" button एवं "Save and Submit" button click करेंगे। "Save and Submit" button click करने के पूर्व व्यवसायी transport details में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकते हैं।
- पुनः व्यवसायी को shipping / dispatch details - place of dispatch, address of dispatch and date of dispatch भरेंगे।

- उपरोक्त सारी प्रक्रिया पूरी करने के उपरान्त “Print Permit” button enable हो जाएगा एवं व्यापारी उक्त system generated road permit blue की प्रति निकाल सकेंगे। प्रत्येक परिवहन के मामले में उक्त system generated road permit को साथ रखना अनिवार्य होगा।
- उक्त Process flow का विस्तृत विवरण Screen-shot सहित संबंधित **User Manual E-Road Permit** पर देखा जा सकता है।
- ऐसे ऑन-लाईन निर्गत रोड परमिट (JVAT 504B) का सत्यापन विभागीय पोर्टल <http://jharkhandcomtax.gov.in> एवं <http://jharkhandcomtax.nic.in> के माध्यम से किया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

## 2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 2624 दिनांक 20 मई, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-23** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु, तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में घोषणा पत्र रोड परमिट (JVAT 504G) की ऑन-लाईन निर्गमन की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. **JVAT 504G** के निर्गमन हेतु प्रेषिती व्यवसायी (**Consignee**) **requisition** करने हेतु अपना विवरण देकर **save** करने के उपरांत **“New Status”** बनाते हैं। तदोपरांत प्रेषिती व्यवसायी (**Consignee**) द्वारा **commodities details** भरने तथा **submit** कर प्रेषक व्यवसायी (**consignor**) को भेजने की प्रक्रिया पूरी होने पर **“Active Status”** बनती है। **“New Status”** से **“Active Status”** की वैधता (**validity**) 5 दिनों की है।

उपरोक्त समय-सीमा तक संबंधित प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर system द्वारा **Generated unique Road Permit No. (JVAT 504G)** स्वतः विलोपित हो जाती है।

2. प्रेषक व्यवसायी (Consignor) द्वारा प्रेषिती व्यवसायी (Consignee) के requisition में invoice details में आवश्यकतानुसार सुधार कर, transportation details के साथ submit करने के उपरांत JVAT 504G निर्गमन की प्रक्रिया, "Accepted Status" के लिए कुल 10 दिनों की समय सीमा निर्धारित है।

उपरोक्त समय-सीमा तक संबंधित प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर system द्वारा Generated unique Roda Permit No. (JVAT 504G) स्वतः विलोपित हो जाती है।

3. प्रेषक व्यवसायी (Consignor) द्वारा system से JVAT 504G निर्गत कर माल परिवहन के उपरांत "Accepted Status" को "Received Status" में परिवर्तित करने के लिए निम्नवत् समय-सीमा निर्धारित की गयी है जिसका आधार विभिन्न राज्यों से झारखण्ड की दूरी (कि०मी०) के अनुसार है:-

क्र०सं०	राज्य	दूरी (कि०मी० में)	सामान परिवहन - अवधि	Transshi pment की स्थिति में अतिरिक्त अवधि।	क्र० सं०	राज्य	दूरी (कि० मी० में)	सामान परिवह न- अवधि	Transshi pment की स्थिति में अतिरिक्त अवधि।
1	Andhra Pradesh	2150	15	19 (15+4)	18	Nagaland	1750	12	15 (12+3)
2	Arunachal Pradesh	2100	14	18 (14+4)	19	Orissa	1350	10	15 (10+3)
3	Assam	1700	12	15 (12+3)	20	Punjab	2000	13	15 (13+2)
4	Bihar	700	7	9 (7+2)	21	Rajasthan	2200	15	19 (15+4)
5	Chhattisgarh	1450	11	14 (11+3)	22	Sikkim	1100	9	12 (9+3)
6	Goa	2550	16	20 (16+4)	23	Tamil Nadu	3100	18	22 (18+4)
7	Gujarat	2400	16	20(16+4)	24	Tripura	1200	10	13 (10+3)
8	Haryana	1800	12	15 (12+3)	25	Uttar Pradesh	1650	12	15 (12+3)
9	Himachal Pradesh	2200	15	19(15+4)	26	Uttarakhand	2000	13	16 (13+3)

10	Jammu and Kashmir	2350	15	19(15+4)	27	West Bengal	650	7	9 (7+2)
11	Karnataka	2700	17	21 (17+4)	28	Delhi	1400	11	14 (11+3)
12	Kerala	3200	19	23 (19+4)	29	Chandigarh	1700	12	15 (12+3)
13	Madhya Pradesh	1750	12	15 (12+3)	30	Pondicherry	2750	17	21 (17+4)
14	Maharashtra	2400	16	20 (16+4)	31	Daman & Diu	2300	15	19 (15+4)
15	Manipur	1800	12	15 (12+3)	32	Dadra & Nagar Haveli	2250	15	19 (15+4)
16	Meghalaya	1500	11	14( 11+3)	33	Andaman and Nicobar	3000	18	22 (18+4)
17	Mizoram	1750	12	15 (12+3)	34	Lakshadweep	3500	20	24 (20+4)

उपरोक्त निर्धारित तिथि के अधीन व्यवसायी द्वारा Received Button click कर उक्त माल को "Received" किया जा सकता है अन्यथा उक्त निर्धारित अवधि के उपरांत System द्वारा परिवहित माल स्वतः "Received" माना जाता है।

अपवादिक स्थिति में उपरोक्त वर्णित समय-सीमा में माल परिवहन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर निम्न व्यवस्था निर्धारित की जाती है:-

(क) निबंधित प्रेषिती व्यवसायी ¼Consignee) द्वारा JVAT 504G (SUGAM G) के "Accepted Status" की अवधि में अंचल प्रभारी को संबंधित माल परिवहन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण (दस्तावेजी प्रमाण सहित) का उल्लेख करते हुए आवेदन देना होगा। संबंधित अंचल प्रभारी द्वारा उक्त आवेदन तथा उपस्थापित प्रमाणों से संतुष्ट होने के उपरांत ऑन-लाईन निर्गत JVAT 504G (SUGAM G) के "Accepted Status" का ऑन-लाईन अवधि विस्तार किया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

2. उक्त अधिसूचना दिनांक 16 अगस्त, 2013 से प्रभावी मानी जाएगी।



**एस०ओ०-24** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन निर्गत घोषणा पत्र रोड परमिट (JVAT 504B) की वैधता निर्गमन की तिथि तथा समय से एक दिन ( 24 घंटे) की निर्धारित की जाती है।

2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 2808 दिनांक 30 मई, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-25** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में घोषणा पत्र रोड परमिट (**JVAT 504 P**) की ऑन-लाईन निर्गमन की विहित प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है।

- राज्यान्तर्गत रोड परमिट की अर्हता विभागीय अधिसूचना संख्या-एस0ओ0 212 दिनांक 31.03.2006 के अनुसार होगी।
- इस योजना का लाभ उठाने हेतु व्यवसायियों का अधतन ऑन-लाईन कर विवरणी दाखिल करना तथा अधतनकर का भुगतान होना आवश्यक है।
- राज्यान्तर्गत **SUGAM (P)** की ऑन-लाईन निर्गमन की सुविधा मात्र बिक्रेता /प्रेषक व्यवसायी द्वारा ली जाएगी।

ऑन-लाईन निर्गमित **SUGAM (P)** की वैधता पूरे राज्य में माल परिवहन हेतु तीन दिनों (72 घंटे)की होगी। एक शहर के अन्तर्गत माल परिवहन हेतु उक्त वैधता एक दिन (24 घंटे) की होगी।

- निबंधित व्यवसायी द्वारा विभागीय वेबसाईट <http://jharkhandcomtax.gov.in> पर उपलब्ध **Dealer Portal** में TIN एवं Password की सहायता से login करेंगे।
- e-services menu के sugam link में click कर **SUGAM (P)** के option को click करेंगे।
- प्रेषक व्यवसायी (Consignor) का नाम (Style of Business सहित), TIN मोबाईल, ईमेल, पता स्वतः अंकित होगा।
- Add requisition link को click करने के उपरांत JHR-1/JHR-2 का option भरेंगे।

- राज्यान्तर्गत प्रथम बिक्री हेतु **JHR- 1** के **option** का चयन करना होगा तथा राज्यान्तर्गत द्वितीय चरण (**Subsequent sale**) की बिक्री अथवा माल अंतरण (**Stock Transfer**) हेतु **JHR- 2** का चयन करना होगा।
- तदोपरांत प्रेषिती निबंधित व्यवसायी (Consignee) का TIN देने के उपरांत उनका Name, Style of Business, Detailed Address, Mobile No., e-mail address स्वतः अंकित होगा।
- प्रेषिती व्यवसायी (Consignee) के अनिबंधित होने की स्थिति में निम्न **TIN “999999999999”** स्वतः अंकित होगा तथा उनका पूर्ण विवरण यथा:- Name, Style, Detailed Address, Place of delivery भरना होगा।
- “Save & Next” button click करने के उपरांत Unique Road Permit Generate होगा।
- तदोपरांत “Invoice details” के अन्तर्गत संबंधित विवरण में वस्तु के नाम का चयन commodity list से करेंगे। वस्तु के नाम के अतिरिक्त Invoice No./STN No./Challan No., Date, Quantity, Commodity, Price, No. of Packets, Total Amount एवं Purpose का विवरण भरेंगे।

Invoice की संख्या अधिक होने पर संबंधित विवरण संलग्न excel sheet को download कर व्यवसायी अपने end पर भरकर पुनः upload कर सकेंगे।

- राज्यान्तर्गत सुगम सुविधा के लिए निर्गत बीजक (Invoice) की वैधता चार (4) दिनों की होगी।
- तदोपरांत Transport Details- Mode of Transport, Vehicle Registration No. Transporter's Name & Address, Consignment Note & Date, Place एवं Drivers Mobile No. का विवरण भरेंगे। तदोपरान्त “Add” button एवं “Save and Submit” button click करेंगे। “Save and Submit” button click करने के पूर्व व्यवसायी transport details में आवश्यकतानुसारपरिवर्तन कर सकते हैं।
- पुनः व्यवसायी को Shipping / Dispatch details - Place of dispatch, address of dispatch and date of dispatch एवं Place of delivery & Address of Delivery भरेंगे।

Address of Delivery एवं प्रेषिती व्यवसायी (Consignee) का पता एक होने की स्थिति में Place of Delivery स्वतः अंकित होगा। Consingee द्वारा किसी अन्य स्थान पर Delivery लेने की स्थिति में पता अंकित करना होगा।

- उपरोक्त सारी प्रक्रिया पूरी करने के उपरान्त "Print Permit" button enable हो जाएगा एवं व्यापारी उक्त System Generated **SUGAM (P)** की दो प्रतियाँ निकाल कर माल परिवहन कर सकेंगे।

अतिशीघ्र System Generated **SUGAM (P)** की संख्या विभागीय साफ्टवेयर द्वारा चालक (**Driver**) के मोबाईल पर (SMS) के माध्यम से स्वतः प्रेषित हो जाएगा।

वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में प्रेषक व्यवसायी (Consignor) System Generated **SUGAM (P)** की संख्या SMS द्वारा चालक (**Driver**) के मोबाईल पर प्रेषित कर सकते हैं।

परिवहन निरीक्षण के क्रम में संबंधित पदाधिकारी चालक के मोबाईल में उपलब्ध System Generated **SUGAM (P)** की संख्या का प्रतिसत्यापन विभागीय पोर्टल से कर सकेंगे। उक्त स्थिति में System Generated **SUGAM (P)** की प्रति रखना अनिवार्य नहीं होगा।

- उक्त Process flow का विस्तृत विवरण Screen-shot सहित संबंधित User Manual **SUGAM (P)** पर देखा जा सकता है।

- ऐसे ऑन-लाइन निर्गत **SUGAM(P)** का सत्यापन विभागीय पोर्टल <http://jharkhandcomtax.gov.in> के माध्यम से किया जा सकेगा।

प्रारंभिक चरण में उक्त (राज्यान्तर्गत बिक्री) व्यवस्था ऐच्छिक होगी। दिनांक 17 अक्टूबर, 2013 से यह व्यवस्था अनिवार्य रूप से सभी व्यवसायियों पर लागू होगी। व्यवसायियों द्वारा पूर्व में **Manually** निर्गत रोड परमिट (**JVAT 504P**) दिनांक 17 अक्टूबर, 2013 से मान्य (**Valid**) नहीं होंगे।

2. झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 42 (11) के अधीन निर्गत विभागीय पत्रांक 632 दिनांक 27 फरवरी, 2012 के अन्तर्गत अनुज्ञापत्रों से छूट की प्रक्रिया से अनुज्ञापत्र JVAT 504P की विमुक्ति को समाप्त किया जाता है। संबंधित व्यवसायी उपरोक्त वर्णित प्रक्रिया के अधीन **SUGAM (P)** का ऑन-लाइन निर्गमन करेंगे।

भविष्य में ऑनलाइन रोड परमिट निर्गमन की प्रक्रिया "सुगम" (SUGAM) के नाम से जानी जाएगी। राज्यान्तर्गत परिवहन हेतु प्रयुक्त होने वाले घोषणा पत्र JVAT 504P को SUGAM (P), राज्य के बाहर से आनेवाले माल के परिवहन हेतु प्रयुक्त होने वाले घोषणा पत्र JVAT 504G को SUGAM(G) तथा राज्य के बाहर भेजे जाने वाले माल के परिवहन हेतु प्रयुक्त होने वाले घोषणा पत्र JVAT 504B को SUGAM(B) के रूप में जाना जाएगा।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

### 3. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 5241 दिनांक 25 सितम्बर, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-26** दिनांक- 28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में निर्गत ऑन-लाईन घोषणा पत्र रोड परमिट **JVAT 504 P (SUGAM P)** की वैधता को निम्नवत् विस्तारित किया जाता है:-

- राज्यान्तर्गत SUGAM (P) सुविधा के लिए निर्गत बीजक (Invoice) की वैधता चार (4) दिनों के स्थान पर **छः (6) दिनों** की जाती है।
- ऑन-लाईन निर्गमित SUGAM (P) की वैधता पूरे राज्य में माल परिवहन हेतु तीन दिनों (72 घंटे) के स्थान पर छः दिनों (144 घंटे) की होगी। वाहन के क्षतिग्रस्त होने या अन्य परिस्थिति में वाहन बदलने के कारण (**Transshipment**) होने की स्थिति में **SUGAM (P)** की वैधता कुल 8 दिन (6 दिन + 2 दिन) होगी।

दिनांक 1 जनवरी, 2014 से उक्त Transshipment की सुविधा विभागीय साफ्टवेयर में उपलब्ध होगी।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

### 2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 6102 दिनांक 13 दिसम्बर, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-27** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72(11) के अधीन वस्तुओं के **Out to Out Movement** हेतु तथा धारा-74 के अन्तर्गत विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु, तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 43 के अधीन **Transit Pass** की ऑन-लाईन निर्गमन की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

- परिवहनकर्ता (**Transporter**) द्वारा विभागीय वेबसाइट <http://jharkhandcomtax.gov.in> के **e-services** के **Transit Pass Link** को click करना।

2. परिवहनकर्ता द्वारा **User Id** एवं **Password** **create** करने के लिए **Sign up link** को **click** करना।
3. **Sign up** के पश्चात **Profile registration** का खुलना जिसमें **Transporter Registration No.**, **Transporter Name**, **e-mail**, **Mobile no.**, **Address**, **State**, **District** एवं **PIN** के विवरण का भरना तथा **Submit button** को **click** करना।
4. **Submit** करने के उपरांत **Registration Process** के पूर्ण होने का **Message** दिखना। अब Create किए गए e-mail ID एवं **Password** की सहायता से **Login** करना।
5. तदोपरांत **Transit Pass** प्राप्त करने हेतु **JVAT 117** में आवेदन का खुलना जिसमें परिवहनकर्ता द्वारा **Check-post details**, **Vehicle / Driver's details**, **Consignor / Seller's details**, **Consignee / Buyer's details**, **Invoice details** का भरा जाना। पश्चात **Add button** को **click** किया जाना। **Add button** को **click** किए जाने पर भरे गये सारे **details** की सूची दिखना। **Consignor or Consignee** के **Multiple entry** भरे जाने की स्थिति में पेज की दाहिनी ओर **clear link** को **click** कर अतिरिक्त विवरण भरा जा सकता है। समस्त **details** की **entry** करने के उपरांत **save button** **click** करना।
6. **Save button** **click** करने के पश्चात **Transit Pass (JVAT 508)** के समस्त भरे गये विवरण का दिखना। परिवहनकर्ता द्वारा **Print button** **click** कर सृजित **Transit Pass** का **Print out** प्राप्त किया जा सकता है।
7. चेक-पोस्ट पर जाँच हेतु परिवहित किए जा रहे माल के साथ **Transit Pass** की दो प्रतियाँ चालक को लेकर चलना अनिवार्य है।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

8. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 6342 दिनांक 21 दिसंबर, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-28** दिनांक- 28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य हेतु तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में निर्गत ऑन-लाईन घोषणा पत्रों (JVAT 504G, JVAT 504B एवं **JVAT 504P**) क्रमशः **SUGAM G**, **SUGAM B** एवं **SUGAM P** के ऑन-लाईन रद्दीकरण की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

#### **DEALER END -**

1. व्यवसायी द्वारा होमपेज पर जाकर प्राप्त **ID/Password** की सहायता से **Login** करना है।
2. **SUGAM** के **Option** से आवश्यकतानुसार **SUGAM G**, **SUGAM B** या **SUGAM P** को **click** करना है।
3. **Click** करने के उपरांत '**Apply for Cancellation**' के **Option** में जाकर "**Add Requisition Button**" को **click** करना है।
4. संबंधित **SUGAM Generation** के उपरांत **Online Cancellation Requisition** हेतु समय-सीमा निम्नवत् निर्धारित की गयी है:-

<b>SUGAM G -</b>	तीन दिन (72 घंटे)
<b>SUGAM B -</b>	दो दिन (48 घंटे)
<b>SUGAM P -</b>	दो दिन (48 घंटे)

उक्त समय-सीमा के उपरांत व्यवसायी **Online Cancellation** के लिए **Requisition** नहीं कर सकते हैं।

5. **SUGAM 'B'** एवं '**P**' के लिए **Active Permit Status** एवं **SUGAM 'G'** के लिए **Accepted Permit Status** के रद्दीकरण हेतु आवश्यकतानुसार **SUGAM No.** का चुनाव करते हुए **SUGAM Button** को **click** करना है। साथ-साथ अंचल में **Indemnity Bond (JVAT 122)] Physically** जमा करना अपेक्षित है।
6. **SUGAM Cancellation** के लिए चुने गये **SUGAM** की संख्या देने के उपरांत **Cancellation** के कारण का उल्लेख करना है।
7. तदोपरांत **Apply now** के **Button** को **click** करते हुए रद्दीकरण का कारण लिखना है।

8. **System** द्वारा **Cancellation** के पूर्व एक **Alert** देते हुए पृच्छा होगी कि क्या व्यापारी उक्त **SUGAM** को **Cancel** करना चाहते हैं? व्यवसायी के **OK** करने पर संबंधित **SUGAM G, SUGAM B** एवं **SUGAM P** के **Cancellation Application** की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

#### **INCHARGE END -**

1. अंचल प्रभारी द्वारा **SUGAM G, SUGAM B** एवं **SUGAM P** के **Menu** में जाकर **Cancellation List** को **Click** करना है।
2. **Cancellation List** की सूची में उपलब्ध **Icon "View & Approve"** को **click** करना है।
3. संबंधित अंचल प्रभारी द्वारा अपना **Remarks** देते हुए **Approve** करना अपेक्षित है। **Approve** करने के पूर्व अंचल में **Indemnity Bond** प्राप्ति को सुनिश्चित कर लेना है।
4. **System** द्वारा **Cancellation** के पूर्व एक **Alert** देते हुए पृच्छा होगी कि क्या अंचल प्रभारी उक्त **SUGAM** को **Cancel** को **recommend** करते हैं ? अंचल प्रभारी के **OK** करने पर संबंधित **SUGAM G, SUGAM B** एवं **SUGAM P** के **Cancellation/recommendation** की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। अंचल प्रभारी द्वारा **Cancellation** हेतु प्राप्त ऐसे आवेदनों को तीन दिनों की अवधि में '**recommend**' करना अपेक्षित है।

#### **JOINT COMMISSIONER (Adm.) END**

1. संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) द्वारा **SUGAM G, SUGAM B** एवं **SUGAM P** के **Menu** में जाकर **Cancellation List** को **Click** करना।
2. **Cancellation List** की सूची में उपलब्ध **Icon "View & Cancel"** को **click** करना।
3. संबंधित संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) को **Remarks** देते हुए **"Cancel Now"** के **button** को **click** करना।
4. **system** द्वारा **Cancellation** के पूर्व एक **Alert** देते हुए पृच्छा होगी कि क्या संबंधित संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) उक्त **SUGAM** को **cancel** करते हैं? संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) **OK** करने के उपरांत संबंधित **SUGAM G, SUGAM B** एवं **SUGAM P** के रद्दीकरण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) द्वारा **Cancellation** हेतु अनुशंसित ऐसे आवेदनों को तीन दिनों की अवधि में '**Cancel**' करना अपेक्षित है।

**Cancellation List** के **Menu** में **View Button** को **click** कर **Cancelled SUGAM G, SUGAM B** एवं **SUGAM P** का विस्तृत विवरण देखा जा सकता है।

उपरोक्त रद्दीकरण (**Cancellation**) की प्रक्रिया में विभागीय पदाधिकारियों द्वारा अत्यधिक सावधानी तथा गोपनीयता अपेक्षित है। उक्त गोपनीयता के भंग होने की स्थिति में पूरी जिम्मेवारी संबंधित पदाधिकारी की मानी जाएगी।

संबंधित व्यवसायी/ अंचल प्रभारी/ संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) उक्त प्रक्रिया के पूर्ण होने के उपरांत अपने **Menu** में जाकर **Cancel Permit / SUGAM Status** को **click** कर **Cancelled Permit** का विवरण देख सकते हैं।

उक्त **Cancellation** के उपरांत **Substituted SUGAM No** की प्रविष्टि करना अनिवार्य है अन्यथा व्यवसायी अगली बार **SUGAM Generate** नहीं कर पाएंगे।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

## 2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 57 दिनांक 7 जनवरी, 2014 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-29** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 की धारा-7 तथा झारखण्ड होटल विलास कराधान नियमावली, 2011 के नियम 8 (5) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन कर विवरणी समर्पण योजना की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

- विभागीय वेबसाईट [www.jharkhandcomtaxgov.in](http://www.jharkhandcomtaxgov.in) के “e-Services” List में जाना।
- Minor Act के Link को Click करना।
- अपने email तथा e-registration के क्रम में प्राप्त Password की सहायता से login करना।
- Minor Act के Option से JHLT को click करना।
- JHLT Return के sub-menu से Quarterly Return को select करना तथा संबंधित त्रैमास, वर्ष तथा Original या Revised Return के प्रकार को select करना।
- Quarterly Return JHLT201 का खुलना।
- व्यवसायी द्वारा उक्त Return को भरना।
- भरे गये JHLT 201 को save button click कर save करना।



- विभाग को **Submit** करने के पूर्व **System Generated Alert** का सामने आना ताकि **Return** में किसी प्रकार की गलत प्रविष्टि होने पर उसे **Edit** किया जा सके।
- एक बार **OK** करने या **Submit to the department** करने के उपरांत संबंधित **Quarterly Return** में कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।
- अन्ततः विभागीय साफ्टवेयर द्वारा एक **Ack. No.** का निर्गत होना।
- आवश्यकतानुसार **Revised Return** समर्पित करने हेतु प्रावधान उपलब्ध है।
- **JHLT 201** के विभाग को समर्पित होने के उपरांत व्यवसायी अपने **Menu** तथा अंचल प्रभारी अपने **Menu** से उक्त समर्पित विवरणी को देख पाएंगे।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।।

## 2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 4386 दनांक 3 अगस्त, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-30** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 की धारा-7 तथा झारखण्ड होटल विलास कराधान नियमावली, 2011 के नियम 8 (5) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन **JHLT Profile** भरने तथा ऑन-लाईन **Daily Occupancy Report** समर्पित करने की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

### JHLT Profile

- विभागीय वेबसाईट **www.jharkhandcomtax.gov.in** के “**e-services**” list में जाना।
- Minor Act के **JHLT Link** को Click करना।
- तदोपरांत **email** तथा **e-registration** के क्रम में प्राप्त **Password** की सहायता से login करना।
- **JHLT 101** के **Update Profile** को Click कर **Add Rooms** को click करना।
- **Add Rooms** को click कर विस्तृत विवरण भरना। उक्त विवरण में **Room Type, Room Category, Room No** एवं **Room Rent** का विवरण भरना।

- उक्त विवरण भरने के उपरांत **Add Rooms** का विवरण दिखना।
- उक्त विवरण को विभाग को **Submit** करने के पूर्व आवश्यकतानुसार **edit** अथवा **delete** किया जा सकता है।
- **Add Rooms** के विवरण को देखने के लिए **View Final Rooms** को **click** करना एवं संबंधित समेकित विवरणी का दिखना।

### निबंधित व्यवसायियों के अधीन निम्न व्यवसायी सम्मिलित हैं-

- अंगीकृत होटल विलास कराधान अधिनियम, 1988 तथा सुसंगत नियमावली के अन्तर्गत निबंधित व्यवसायी जिन्होंने आदिनांक झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन निबंधन प्राप्त नहीं किया है। ऐसे व्यवसायियों को अंगीकृत होटल विलास कराधान अधिनियम, 1988 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन प्रदत्त प्रमाण पत्र को समर्पित कर झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन ऑन-लाईन निबंधन तथा **JHLT Profile Update** करना अपेक्षित है।
- झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन आफलाईन तरीके से निबंधन प्राप्त किया है। ऐसे व्यवसायियों को ऑन-लाईन निबंधन प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए **JHLT Profile Update** करना अपेक्षित है।
- झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन ऑन-लाईन तरीके से निबंधन प्राप्त किया है। ऐसे व्यवसायियों को भी **JHLT Profile Update** करना अपेक्षित है।

### Occupancy Report

- व्यवसायी Minor Act के **JHLT Link** को **Click** कर **Occupancy Report Menu** को **Click** कर **New Booking sub-Menu** खोल सकते हैं।
- उक्त **sub-Menu** के अधीन **Room Category, Room No., Serial Id. No., Arrival Date & Arrival Time, Guest Name, Guest Address, Nationality, Company Name, Arrival From** का विवरण भरेंगे।
- प्रतिदिन व्यवसायी उक्त विवरण भरकर **Submit** करेंगे। **Submit** करने के पूर्व कोई भी **error** होने की स्थिति में इसे **delete** कर पुनः **entry** किया जा सकेगा।

- **Submit button click** करने के उपरांत **entry** किए गए **Guest** की सूची दिखेगा। **Guest** द्वारा होटल से प्रस्थान के समय **edit button** को **click** कर व्यवसायी द्वारा उसके प्रस्थान की तिथि एवं समय को भरा जाएगा तथा **update button click** कर **Guest record** को **update** किया जाएगा।
- व्यवसायी द्वारा प्रतिदिन **Occupancy Report** भरने के लिए उक्त प्रक्रिया अपनायी जाएगी।

झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन निबंधित व्यवसायियों को उक्त परिपत्र निर्गमन की तिथि के एक माह की अवधि में **JHLT Profile Update** करने की प्रक्रिया पूरी करना आवश्यक है ताकि दिनांक 1 जनवरी, 2014 से उपरोक्त वर्णित **Daily Occupancy Report** भरने की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से लागू हो सके।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

## 2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 3839 दिनांक 23 नवम्बर, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-31** दिनांक-28 अगस्त, 2014 अंगीकृत विधुत शुल्क अधिनियम, 1948 (झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2011 द्वारा यथासंशोधन) तथा झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 के नियम 7 (6) (b) के अधीन प्रावधानित शक्ति के अन्तर्गत ऑन-लाईन कर विवरणी समर्पित प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

- विभागीय वेबसाइट **www.jharkhandcomtaxgov.in** के **“e-Services” List** में जाना।
- **Minor Act** के **Link** को **Click** करना।
- अपने **email** तथा **e-registration** के क्रम में प्राप्त **Password** की सहायता से **login** करना।
- **Minor Act** के **Option** से **JED** को **click** करना।
- **JED Return** के **sub-menu** से **Quarterly Return** को **select** करना तथा संबंधित त्रैमास, वर्ष तथा **Original** या **Revised Return** के प्रकार को **select** करना।
- **Quarterly Return JED 201** का खुलना।
- व्यवसायी द्वारा उक्त **Return** को भरना।
- भरे गये **JED 201** को **save button click** कर **save** करना।

- विभाग को **Submit** करने के पूर्व **System Generated Alert** का सामने आना ताकि **Return** में किसी प्रकार की गलत प्रविष्टि होने पर उसे **edit** किया जा सके।
- एक बार OK करने या **Submit to the department** करने के उपरांत संबंधित **Quarterly Return** में कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।
- अन्ततः विभागीय साफ्टवेयर द्वारा एक **Ack. No** का निर्गत होना।
- आवश्यककतानुसार **Revised Return** समर्पित करने हेतु प्रावधान उपलब्ध है।
- **JED 201** के विभाग को समर्पित होने के उपरांत व्यवसायी अपने **Menu** तथा अंचल प्रभारी अपने **Menu** से उक्त समर्पित विवरणी को देख पाएंगे।

उपरोक्त वर्णित प्रावधानों के अतिरिक्त समय-समय पर संबंधित अधिनियम/नियमावली में संशोधन के आलोक में विहित प्रावधानों में संशोधन /परिवर्तन किया जा सकेगा।

## 2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 4388 दिनांक 3 अगस्त, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-32** दिनांक-28 अगस्त, 2014 अंगीकृत विधुत शुल्क अधिनियम, 1948 (झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2011 द्वारा यथा संशोधन) तथा झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 के नियम 3 (2)(e) के अधीन प्रावधानित शक्ति के अन्तर्गत ऑन-लाईन निबंधन आवेदन पत्र समर्पण योजना की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 के नियम 3(2)(e) के अधीन प्रावधानित आवेदन पत्र JED 101 में आवेदन के ऑन-लाईन समर्पण हेतु व्यवसायियों को निम्न कार्रवाई करनी अपेक्षित है:-

- विभागीय वेबसाईट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) के “e-Services” List में जाना।
- Minor Act के Link को Click करना।
- व्यवसायी द्वारा Profile बनाना- Profile के अधीन व्यवसायी का नाम, पता, ईमेल, मोबाईल संख्या, अंचल का नाम तथा Act Type का भरना।

- साफ्टवेयर द्वारा व्यवसायी के ईमेल पर Password तथा मोबाईल पर Secret Code का प्रेषण।
- व्यवसायी द्वारा प्राप्त Password की सहायता से Login करना।
- Login के उपरांत मोबाईल पर प्राप्त Secret Code को Type करने पर संबंधित आवेदन पत्र JED 101, Annexure सहित खुलना।
- व्यवसायी द्वारा उक्त आवेदन **Annexure** सहित भरना।
- व्यवसायी अपना Passport size Colour Photograph upload करना।
- अंत में Submit Button को Click कर Online Submission की कार्रवाई पूरा करना।

2. उक्त Online Application अंचल प्रभारी के Menu में देखा जा सकता है। अंचल प्रभारी ऐसे ऑन-लाईन समर्पित आवेदन की समीक्षा कर संतुष्ट होने के उपरांत दो दिनों की अवधि में व्यवसायी को SMS Alert तथा e-Mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक कागजातों की मूल प्रति सहित अंचल कार्यालय में उपस्थित होने की सूचना देंगे।

निर्धारित तिथि पर व्यवसायी द्वारा ऑन-लाईन समर्पित आवेदन पत्र की हस्ताक्षरित प्रति, संबंधित कागजात/दस्तावेज, इस आशय का शपथ-पत्र कि आवेदन में दिए गए सभी विवरणी सही हैं के साथ अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होंगे। उपस्थापित कागजातों/दस्तावेजों की जाँच से संतुष्ट होने के उपरांत अंचल प्रभारी विहित निबंधन प्रमाण पत्र (JED 102) निर्गत करेंगे। उपस्थापित कागजातों तथा ऑन-लाईन समर्पित आवेदन पत्र में किसी प्रकार के अंतर पाने की स्थिति में अंचल प्रभारी व्यवसायी को सूचित करते हुए विहित आवेदन प्रपत्र (JED 101) में संबंधित संशोधन/परिवर्तन करेंगे। तदनुसार निबंधन प्रमाण-पत्र (JED 102) निर्गत किया जा सकता है।

निर्गत प्रमाण-पत्र के अधीन 11 अंकों का निबंधन प्रमाण-पत्र संख्या दिया जाएगा। JED के अधीन उक्त संख्या में प्रथम दो अंक राज्य कोड (20), तृतीय-चतुर्थ अंक Computer Generated Code, पंचम-षष्ठ अंक (अंचल कोड) सप्तम-अष्टम कोड (Act Code 43), तथा शेष तीन अंक (निबंधन कोड) होंगे।

अंगीकृत विधुत शुल्क अधिनियम, 1948 तथा सुसंगत नियमावली, 1949 के अधीन दिए गए निबंधन प्रमाण-पत्र को रद्द करते हुये उपर्युक्त तरीके से नये निबंधन प्रमाण-पत्र निर्गत किए जाएंगे। साथ ही, झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 के अधीन **Manually** निर्गत प्रमाण-पत्र

**JED 102** को रद्द कर विभागीय साफ्टवेयर से विहित प्रमाण-पत्र (**JED 102**) निर्गत करना अपेक्षित है। इस प्रकार अधीनस्थ अंचलों में झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 के अधीन निबंधित व्यवसायियों का पूर्ण डाटावेस तैयार हो सकेगा।

झारखण्ड विधुत शुल्क (संशोधन) नियमावली, 2012 के सुसंगत नियम के अधीन व्यवसायी द्वारा उपरोक्त वर्णित सभी कागजातों के समर्पित करने के उपरांत दस दिनों के अन्दर निबंधन प्रमाण-पत्र (**JED 102**) निर्गत करना आवश्यक है।

उपरोक्त वर्णित प्रावधानों के अतिरिक्त समय-समय पर संबंधित अधिनियम/नियमावली में संशोधन के आलोक में विहित प्रावधानों में संशोधन /परिवर्तन किया जा सकेगा।

**2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 3777 दिनांक 12 दिसम्बर, 2012 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।**

**एस०ओ०-33** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automation) के उद्देश्य तथा तथा केन्द्रीय बिक्री कर(झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 11A के उपनियम (2) अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन केन्द्रीय प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण योजना में निम्नवत् संशोधन की प्रक्रिया विहित की जाती है:-

1. ऑन-लाईन निर्गत प्रपत्र 'सी' के निर्गमन तिथि से **7 दिनों** की अवधि के अधीन रद्दीकरण हेतु निर्धारित समय-सीमा को बढ़ाकर 30 दिन की जाती है।

परन्तु ऐसे व्यवसायी जिन्होंने केन्द्रीय प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाईन निर्गमन की योजना प्रारंभ होने की तिथि 26.01.2012 से दिनांक 29.03.2014 की अवधि तक ऑन-लाईन प्रपत्र 'सी' का निर्गमन कर लिया है वैसे प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण हेतु ऑन-लाईन आवेदन उक्त परिपत्र के निर्गमन की तिथि (29.03.2014) से 30 दिनों की अवधि तक अनिवार्य रूप से समर्पित करना होगा।

दिनांक 30.03.2014 से ऑन-लाईन निर्गत प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण हेतु व्यवसायी द्वारा ऑन-लाईन आवेदन प्रपत्र निर्गमन की तिथि से 30 दिनों की अवधि तक आवश्यक रूप से दाखिल करना होगा।

- (i) प्रासंगिक परिपत्र द्वारा प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण की विहित प्रक्रिया को समाप्त किया जाता है। व्यवसायी जिन्हें पूर्व में ऑन-लाइन निर्गत प्रपत्र 'सी' का रद्दीकरण किया जाना है उन्हें रद्द करने के कारणों का उल्लेख करते हुए संबंधित अंचल प्रभारी को ऑन-लाइन आवेदन समर्पित करना होगा। तदोपरांत संबंधित दस्तावेजों/प्रमाणों (**Documentary evidences**) **Indemnity bond** सहित अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होना होगा। उपस्थापित दस्तावेजों/प्रमाणों एवं **Indemnity bond** से अंचल प्रभारी के संतुष्ट होने की स्थिति में विभागीय साफ्टवेयर में **Approve Button** दबाने के उपरांत साफ्टवेयर द्वारा उक्त प्रपत्र 'सी' रद्द हो जाएगा। तदोपरांत व्यवसायी रद्द प्रपत्र 'सी' की जगह नया प्रपत्र 'सी' निर्गमित करेंगे। उक्त प्रपत्र 'सी' में प्रमुखता से **"Re-generated new 'C' Form in lieu of Cancelled Form 'C' No. -"** अंकित होगा।

अंचल प्रभारी व्यवसायी द्वारा समर्पित प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण हेतु आवेदन एवं उपस्थापित दस्तावेजों/प्रमाणों (**Documentary evidences**), **Indemnity bond** से संतुष्ट नहीं होने पर कारण सहित आवेदन को अस्वीकृत (Reject) कर सकते हैं। व्यवसायी उक्त अस्वीकृति (Rejection) के कारणों को संशोधित कर पुनः प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण हेतु उक्त प्रक्रिया में आवेदन प्रेषित कर सकते हैं। व्यवसायी द्वारा उक्त प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाइन रद्दीकरण के पूर्ण एवं सही आवेदन तथा समस्त दस्तावेजों/प्रमाणों (**Documentary evidences**), **Indemnity bond** के समर्पित करने के 15 दिनों की अवधि में संबंधित अंचल प्रभारी द्वारा प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण की उपरोक्त प्रक्रिया को पूरा किया जाना आवश्यक है।

- (ii) प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाइन निर्गमन के उपरांत व्यवसायी द्वारा दाखिल वैट विवरणी (JVAT 200) एवं (JVAT 214) तथा केन्द्रीय बिक्री कर-विवरणी (CST Return) में संशोधन की आवश्यकता होने पर एवं तदनुसार ऑन-लाइन निर्गत प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण की आवश्यकता की स्थिति में व्यवसायी द्वारा संशोधित विवरणी समर्पित करने तथा निर्गत प्रपत्र 'सी' के रद्द करने के कारणों का उल्लेख करते हुए संबंधित अंचल प्रभारी को ऑन-लाइन आवेदन देना होगा। तदोपरांत व्यवसायी द्वारा संबंधित दस्तावेजों/प्रमाणों (**Documentary evidences**), **Indemnity bond** सहित अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होना होगा। व्यवसायी द्वारा संशोधित विवरणी दाखिल करने तथा ऑन-लाइन निर्गत प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण के कारण एवं संबंधित उपस्थापित दस्तावेजों/प्रमाणों (**Documentary evidences**) एवं **Indemnity bond** से अंचल प्रभारी के संतुष्ट होने पर विभागीय साफ्टवेयर में **Approve Button** दबाने के उपरांत साफ्टवेयर द्वारा संशोधित विवरणी दाखिल करने की सुविधा प्राप्त

होगी। पूर्व में निर्गत प्रपत्र 'सी' रद्द करते हुए संशोधित विवरणी के अनुसार ऑन-लाईन प्रपत्र 'सी' निर्गत होगा। उक्त प्रपत्र 'सी' में प्रमुखता से **"Re-generated new 'C' Form in lieu of Cancelled Form 'C' No. -"** अंकित होगा।

अंचल प्रभारी व्यवसायी द्वारा समर्पित प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण एवं संशोधित विवरणी दाखिल करने के कारण तथा उपस्थापित दस्तावेजों/प्रमाणों (**Documentary evidences**), **Indemnity bond** से संतुष्ट नहीं होने पर कारण सहित आवेदन को अस्वीकृत (**Reject**) कर सकते हैं। व्यवसायी उक्त अस्वीकृति (**Rejection**) के कारणों को संशोधित कर पुनः प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण हेतु उक्त प्रक्रिया में आवेदन प्रेषित कर सकते हैं। व्यवसायी द्वारा उक्त प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाईन रद्दीकरण के पूर्ण एवं सही आवेदन तथा समस्त दस्तावेजों/प्रमाणों (**Documentary evidences**) एवं **Indemnity bond** के समर्पित करने के 15 दिनों की अवधि में संबंधित अंचल प्रभारी द्वारा प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण की उपरोक्त प्रक्रिया को पूरा किया जाना आवश्यक है।

व्यवसायी को किसी अवधि के लिए विवरणी को संशोधित करने की सुविधा संबंधित वित्तीय वर्ष के वार्षिक विवरणी दाखिल करने के पूर्व तक मात्र एक बार उपलब्ध होगी।

2. प्रासंगिक परिपत्र द्वारा एक त्रैमास में तीन से अधिक ऑन-लाईन निर्गमित प्रपत्र 'सी' के रद्दीकरण किए जाने की विहित शर्त को समाप्त किया जाता है।

कंडिका 1(i) में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार व्यवसायी वांछित प्रपत्रों को रद्द कर सकते हैं।

3. एक त्रैमास की समाप्ति पर अगले त्रैमास (90 दिन) तक एकमुश्त (**One Go**) वांछित प्रपत्र 'सी' के ऑन-लाईन निर्गमन की बाध्यता को समाप्त किया जाता है। व्यवसायी द्वारा संबंधित वित्तीय वर्ष के वार्षिक विवरणी दाखिल करने की अंतिम तिथि तक अनिवार्य रूप से वांछित प्रपत्र 'सी' का ऑन-लाईन निर्गमन कर लेना होगा।

उक्त सुविधा व्यवसायी को दिनांक 29 मार्च, 2014 के प्रभाव से प्राप्त होगी।

4. रद्दीकृत प्रपत्र 'सी' की सूची विभागीय वेबसाईट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) पर उपलब्ध होगी।
5. उपरोक्त प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) पर **" 'C' Form Cancellation and Regeneration Manual "** में उपलब्ध है।
6. परिपत्र संख्या-4324 दिनांक 29 जुलाई, 2013 की शेष कंडिकाएं यथावत् रहेंगी।



इसके अतिरिक्त समय-समय पर संबंधित परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन/परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

**7. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 1094 दिनांक 28 मार्च, 2014 से प्रभावी मानी जाएगी।**

**एस०ओ०-34** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा-74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (**Automation**) के उद्देश्य तथा केन्द्रीय बिक्री कर(झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 11A के उपनियम (2) अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन केन्द्रीय प्रपत्र 'एफ' के निर्गमन की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

1. व्यवसायी द्वारा, प्राप्त **ID/Password** की सहायता से विभागीय वेबसाइट **www.jharkhandcomtax.gov.in** पर **click** करेंगे।
2. व्यवसायी द्वारा अपने **Home Page 'Central Form'** के **Menu** के अधीन **sub-menu 'Apply for Form 'F'** को **click** करेंगे।
3. व्यवसायी द्वारा समर्पित किए गए **CST Returns** से संबंधित माह (जिस माह के लिए प्रपत्र 'एफ' का निर्गमन करना है) का चयन **CST Return** के **receipt No.** से किया जाएगा।
4. उपरोक्त प्रक्रिया के उपरांत व्यवसायी को **Excel sheet** (विहित प्रपत्र में) **download** करने का विकल्प सामने आएगा।
5. व्यवसायी उक्त **Excel Sheet** में प्रेषक (**Transferor**) व्यवसायी का **TIN, Firm's Name, Address, State, STN /Challan No./Invoice Date, Period, Commodity, Quantity or Weight, Value, Mode of Transport, RR/LR/GR/PR/ Others No.** एवं **Date** तथा **SUGAM G No.** का विवरण भरेंगे
6. व्यवसायी द्वारा उक्त भरे हुए **Excel Sheet** को **Browse** कर **Upload** किया जा सकेगा।
7. व्यवसायी उक्त **Uploaded Excel Sheet** को देख सकते हैं एवं भरे गए विवरण में **'Invoice Tab'** में जाकर आवश्यकतानुसार संशोधन कर सकते हैं।
8. तदोपरांत **'Application Tab'** में जाकर **Process link'** को **click** करने पर **issuance of Form-F'** हेतु **Application** का भरा हुआ (व्यवसायी द्वारा **Uploaded Excel Sheet** के आधार पर) **Format** सामने आएगा।

9. व्यवसायी **Application Tab** के अधीन उपलब्ध '**View**' **Icon** की सहायता से निर्गत होने वाले प्रपत्र 'एफ' को देख सकते हैं। व्यवसायी अपनी इच्छानुसार प्रविष्ट किए विवरण को **delete** कर सकते हैं।
10. प्रपत्र 'एफ' के '**View**' से संतुष्ट होने की स्थिति में व्यवसायी '**Print**' **button** का प्रयोग कर प्रपत्र 'एफ' का **Print Out** निकाल सकते हैं।
11. व्यवसायी '**Central Form- Issued List**' से ऑन-लाईन निर्गत प्रपत्र 'एफ' की सूची देख सकते हैं।
12. विभागीय वेबसाइट पर ऑन-लाईन निर्गमित वैधानिक प्रपत्रों की inventory उपलब्ध रहेगी। साथ ही, TINXSYS पोर्टल पर भी ऑन-लाईन निर्गमित/ download वैधानिक प्रपत्रों का विवरण उपलब्ध रहेगा जिसका प्रतिसत्यापन किया जा सकेगा।

केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 11A(1) के अधीन व्यवसायियों को प्रति 25 केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्रों (पन्नों) के लिए विहित 100 रुपये का शुल्क जमा करने का प्रावधान यथावत रहेगा। उक्त शुल्क CST के अधीन वैट के TIN के साथ Admitted Tax Menu में उपलब्ध "**Miscellaneous**" विकल्प में जमा किया जा सकता है।

व्यवसायी द्वारा दाखिल **JVAT 200** के कालम संख्या-8A में दर्शाये गये '**Inter State Arrival**' के कुल योग के बराबर प्रपत्र 'एफ' का कुल मूल्य होना आवश्यक है। प्रत्येक तीसरे महीने के **CST Return** में कालम संख्या-27 **enable** होता है जिसमें व्यवसायी को पूरे त्रैमास की अवधि में प्राप्त **Stock Transfer/ Arrival** का कुल मूल्य तथा वांछित प्रपत्र 'एफ' की संख्या का उल्लेख करना अपेक्षित है। सुलभ संदर्भ हेतु **Online Issuance of Form 'F'** से संबंधित मैनुअल विभागीय वेबसाइट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) पर उपलब्ध है।

केन्द्रीय वैधानिक प्रपत्र 'एफ' के निर्गमन की योजना दिनांक 1 फरवरी, 2014 के प्रभाव से अनिवार्य रूप से प्रारंभ की जा रही है। व्यवसायी वित्तीय वर्ष 2013-14 के अंतिम त्रैमास (माह, जनवरी-फरवरी-मार्च, 14) के लिए प्रपत्र 'एफ' का निर्गमन ऑन-लाईन करेंगे।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर संबंधित परिपत्र में संशोधन /परिवर्तन किया जा सकेगा।

13. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 387 दिनांक 31 जनवरी, 2014 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-35** दिनांक- 28 अगस्त, 2014 वाणिज्य-कर विभाग में झारखण्ड वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और रोजगारों पर कर अधिनियम, 2011 की धारा-7 (The Jharkhand Tax on Professions, Trades, Calling and Employment Act, 2011) तथा झारखण्ड वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और रोजगारों पर कर नियमावली, 2012 के नियम 3(3)(e) तथा 4(3)(e) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाईन निबंधन आवेदन पत्र समर्पण योजना की प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

### 1. Registration after making profile-

यह प्रक्रिया ऐसे नियोक्ताओं/ करदाताओं के लिए उपयुक्त होगी जिन्होंने विभाग द्वारा प्रशासित झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005, केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 तथा अन्य लघु अधिनियमों के अधीन ऑन-लाईन निबंधन प्राप्त किया है। उक्त प्रक्रिया का **Process-flow** निम्नवत् है:-

- विभागीय वेबसाइट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) के “e-Services” List में जाना।
- Minor Act के Link को Click करना।
- करदाता द्वारा Profile बनाना- Profile के अधीन नाम, पता, ईमेल, मोबाईल संख्या, अंचल का नाम तथा Act Type का भरना।
- साफ्टवेयर द्वारा करदाता के ईमेल पर Password तथा मोबाईल पर Secret Code का प्रेषण।
- करदाता द्वारा प्राप्त Password की सहायता से Login करना।
- Login के उपरांत प्राप्त Secret Code को Type करने पर संबंधित आवेदन पत्र JPT 101/ JPT103 खुलना।
- सुसंगत आवेदन पत्रों को भरना।
- अंत में Submit Button को Click कर Online Submission की कार्रवाई पूरा करना।

### 2. Instant Registration -

यह प्रक्रिया ऐसे नियोक्ताओं/करदाताओं हेतु लाभदायक होगी जिन्हें ऑन-लाईन निबंधन प्राप्त करने का पूर्व अनुभव नहीं हो। उक्त Instant निबंधन आवेदन समर्पित करने की प्रक्रिया का **Process-flow** निम्नवत् है:-

- विभागीय वेबसाइट [www.jharkhandcomtax.gov.in](http://www.jharkhandcomtax.gov.in) के “e-Services” List में जाना।
- JPT Instant Registration link को click करना।

- संबंधित आवेदन पत्र JPT 101/ JPT103 का Format सामने आना।
- सुसंगत आवेदन पत्रों को भरना।
- अंत में Submit Button को Click कर Online Submission की कार्यवाई पूरा करना।

इस प्रकार विभागीय साफ्टवेयर में दोनों प्रकार के नियोक्ताओं/करदाताओं को ध्यान में रखते हुये ऑन-लाईन निबंधन प्रक्रिया बनायी गयी है।

3. संबंधित अंचल प्रभारी के **Menu** में उक्त ऑन-लाईन आवेदन प्राप्त करने के बाद **System** व्यवसायी द्वारा **Uploaded Pan Verification** का सत्यापन आयकर विभाग के डाटावेस से करेगा। अंचल प्रभारी के संतुष्ट होने के उपरांत संबंधित निबंधन प्रमाण पत्र (**JPT102/JPT104**) के निर्गमन हेतु “**Command**” दिया जाएगा। **System** द्वारा आवेदक के मोबाईल पर SMS द्वारा संबंधित निबंधन प्रमाण पत्र (**JPT102/JPT104**) का प्रिंट निकालने की सूचना दी जाएगी।

आवेदन प्रपत्र (JPT101) के लिए निर्गत निबंधन प्रमाण-पत्र (JPT 102) के अधीन 13 अंकों का निबंधन प्रमाण-पत्र संख्या दिया जाएगा। उक्त संख्या में प्रथम दो अंक राज्य कोड (State Code) (20), तृतीय-चतुर्थ अंक (Computer Generated Code) पंचम-षष्ठ कोड, अंचल कोड (Circle Code)], सप्तम एवं अष्टम कोड (Act Code- 28) तथा शेष पाँच अंक, निबंधन कोड (Registration Code) होंगे।

आवेदन प्रपत्र (JPT 103) के लिए निर्गत निबंधन प्रमाण-पत्र (JPT 104) के अधीन 15 अंकों का निबंधन प्रमाण-पत्र संख्या दिया जाएगा। उक्त संख्या में प्रथम दो अंक राज्य कोड (State Code) (20), तृतीय-चतुर्थ अंक (Computer Generated Code), पंचम-षष्ठ कोड, अंचल कोड (Circle Code), सप्तम एवं अष्टम कोड (Act Code- 28), तथा शेष सात अंक, निबंधन कोड (Registration Code) होंगे।

वाणिज्य-कर विभाग में झारखण्ड वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और रोजगारों पर कर अधिनियम, 2011 (**The Jharkhand Tax on Professions, Trades, Calling and Employment Act, 2011**) तथा सुसंगत नियमावली के अधीन नियोक्ता/करदाता द्वारा ऑन-लाईन आवेदन समर्पित करने के उपरांत पन्द्रह दिनों के अन्दर निबंधन प्रमाण पत्र (**JPT 102/JPT104**) निर्गत करना आवश्यक है।

उपरोक्त वर्णित प्रावधानों के अतिरिक्त समय-समय पर संबंधित अधिनियम/नियमावली में संशोधन के आलोक में विहित प्रावधानों में संशोधन /परिवर्तन किया जा सकेगा।

**4. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 3554 दिनांक 14 नवम्बर, 2012 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।**

**एस०ओ०- 36** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के उपभोग अथवा व्यवहार हेतु प्रवेश पर प्रवेश कर अधिनियम, 2011 की धारा 6 तथा (झारखण्ड स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के उपभोग अथवा व्यवहार हेतु प्रवेश कर नियमावली, 2011 के नियम 3 (2)(e) एवं झारखण्ड होटल विलास कराधान अधिनियम, 2011 की धारा 6 तथा झारखण्ड होटल विलास कराधान नियमावली, 2011 के नियम 3 (2)(e) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में ऑन-लाइन निबंधन आवेदन पत्र समर्पण योजना (Online Submission of Application for Registration Scheme) हेतु प्रक्रिया निम्नवत् विहित की जाती है:-

- विभागिय वेबसाईट [www.jharkhandcomtax.nic.in](http://www.jharkhandcomtax.nic.in) के “e-Services” List में जाना।
- Minor Act के Link को Click करना।
- व्यवसायी द्वारा Profile बनाना. -Profile के अधीन नाम, व्यवसायी का पता, ईमेल, मोबाईल संख्या, अंचल का नाम तथा Act Type का भरना।
- **साफ्टवेयर** द्वारा व्यवसायी के ईमेल पर Password तथा मोबाईल पर Secret Code का प्रेषण।
- व्यवसायी द्वारा प्राप्त Password की सहायता से Login करना ।
- Login के उपरांत प्राप्त Secret Code को Type करने पर संबंधित आवेदन पत्र JET 101/JHLT101 Annexure सहीत खुलना।
- Annexure-I में व्यवसायी द्वारा अपना Passport size Colour Photograph upload करना।
- Annexure-II में Security Bond के अधीन निबंधित व्यवसायियों द्वारा निर्गत Security Bond, JET 105 को Submit करने की स्थिति में भरे हुए JET 105 को upload करना।
- अंत में Submit Button को Click कर Online Submission की कार्रवाई पूरा करना।

2. उक्त Online Application अंचल प्रभारी के Menu में देखा जा सकता है। अंचल प्रभारी ऐसे ऑन-लाईन समर्पित आवेदन की समीक्षा कर संतुष्ट होने के उपरांत दो दिनों की अवधि में व्यवसायी को SMS Alert तथा e-mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक कागजातों की मूल प्रति सहित अंचल कार्यालय में उपस्थित होने की सूचना देंगे।

निर्धारित तिथि पर व्यवसायी द्वारा ऑन-लाईन समर्पित आवेदन पत्र की हस्ताक्षरित प्रति, संबंधित कागजात/दस्तावेज, इस आशय का शपथ-पत्र कि आवेदन में दिए गए सभी विवरणी सही हैं, ₹० 100/- का निबंधन शुल्क तथा Security Bond की मूल प्रति के साथ अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होंगे। उपस्थापित कागजातों/दस्तावेजों की जाँच से संतुष्ट होने के उपरांत अंचल प्रभारी विहित निबंधन प्रमाण पत्र (JET 102/ JHLT 102) निर्गत करेंगे। उपस्थापित कागजातों तथा ऑन-लाईन समर्पित आवेदन पत्र में किसी प्रकार के अंतर पाने की स्थिति में अंचल प्रभारी व्यवसायी को सूचित करते हुए विहित आवेदन प्रपत्र (JET 101/ JHLT101) में संबंधित संशोधन/परिवर्तन करेंगे। तदनुसार निबंधन प्रमाण-पत्र (JET 102/ JHLT102) निर्गत किया जा सकता है।

निर्गत प्रमाण-पत्र के अधीन 11 अंकों का निबंधन प्रमाण-पत्र संख्या दिया जाएगा। JET के अधीन उक्त संख्या में प्रथम दो अंक राज्य कोड (20), तृतीय-चतुर्थ अंक Computer Generated Code, पंचम-षष्ठ अंक (अंचल कोड) सप्तम-अष्टम कोड (Act Code-42), तथा शेष तीन अंक (निबंधन कोड) होंगे। JHLT के अधीन उक्त संख्या में प्रथम दो अंक राज्य कोड(20), तृतीय-चतुर्थ अंक Computer Generated Code, पंचम-षष्ठ अंक (अंचल कोड) सप्तम-अष्टम कोड (Act Code-45), तथा शेष तीन अंक (निबंधन कोड) होंगे।

झारखण्ड स्थानीय क्षेत्र में वस्तुओं के उपभोग अथवा व्यवहार हेतु प्रवेश पर प्रवेश कर नियमावली, 2011 JET एवं झारखण्ड होटल विलास कराधान नियमावली, 2011 (JHLT) के सुसंगत नियमों के अधीन व्यवसायी द्वारा उपरोक्त वर्णित सभी कागजातों के समर्पित करने के उपरांत (JET RULE 3(2)(d) एवं (JET 102/ JHLT102) ) एक दिन के अन्दर निबंधन प्रमाण पत्र निर्गत करना आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

3. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 929 दिनांक 26 मार्च, 2012 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-37** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automation) हेतु झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B के प्रदत्त शक्ति के आलोक में नियम 42 (2) के अधीन ऑन-लाईन घोषणा पत्र SUGAM (P) [JVAT 504P] की योजना से राज्य के निबंधित तेल कम्पनियों **सर्वश्री इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, राँची, सर्वश्री भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, राँची तथा सर्वश्री हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, जमशेदपुर** से प्राप्त अभ्यावेदन में उल्लिखित संभावित सुरक्षा संकट (Safety Hazard) को ध्यान में रखते हुए, विशेष परिस्थिति में उक्त तीनों तेल कम्पनियों को ऑन-लाईन घोषणा पत्र **SUGAM(P)** निर्गमन से विमुक्ति प्रदान की जाती है।

उक्त तीनों तेल कम्पनियों विभागीय पत्रांक 632 दिनांक 27 फरवरी, 2012 द्वारा विहित प्रक्रिया के अधीन, अनुज्ञापत्र *SUGAM(P) [JVAT 504P]*, से विमुक्ति प्राप्त कर सकेंगे।

**2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 5408 दिनांक 18 अक्टूबर, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।**

**एस०ओ०- 38** दिनांक- 28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automation) हेतु झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B, नियम 42 (2) तथा नियम 42 (12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में सभी निबंधित व्यवसायियों के लिए दिनांक 01.01.2014 के प्रभाव से SUGAM (B) JVAT 504B का निर्गमन अनिवार्य किया जाता है।

**2. पूर्व निर्धारित SUGAM B की वैधता, निर्गमन की अवधि से एक दिन के स्थान पर बढ़ाकर सामान्य परिस्थिति में तीन दिनों की (72 घंटे) निर्धारित की जाती है।** वाहन के क्षतिग्रस्त होने या अन्य परिस्थिति में वाहन के बदलने के कारण Transhipment होने की स्थिति में SUGAM B की वैधता पाँच दिनों की होगी।

**3. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 6081 दिनांक 11 दिसम्बर, 2013 की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।**

**एस०ओ०-39** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automotion) हेतु झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3B तथा नियम 42 (12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में बड़े निबंधित व्यवसायियों द्वारा अधिक संख्या में ऑन-लाईन घोषणा पत्र **JVAT 504 B** के निर्गमन में अनुभूत समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अगले आदेश तक 200 करोड़ रुपये से अधिक कर-देय सकल आवर्त के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को **JVAT 504 B** विमुक्त किया जाता है।

2. ऐसे व्यवसायी पत्रांक 632 दिनांक 27 फरवरी, 2012 द्वारा विहित प्रक्रिया के अधीन अनुज्ञापत्र **JVAT 504 B** की विमुक्ति प्राप्त कर सकेंगे।

3. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या **2938 दिनांक 6 जून, 2013** की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी।

**एस०ओ०-40** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 25, 29 एवं 74 तथा सुसंगत नियमावली के नियम 3A, 3B, 14 तथा 15 के अधीन विहित प्रावधानों तथा प्राप्त शक्ति के आलोक में कर-व्यवस्था को पूर्णतः पारदर्शी एवं व्यवसायी अनुकूल बनाने हेतु ऑन-लाईन विवरणी समर्पण, ऑन-लाईन कर भुगतान तथा ऑन-लाईन निबंधन आवेदन समर्पण को सभी व्यवसायियों हेतु पूर्णतः अनिवार्य किया जाता है।

2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या **2022 दिनांक 29 जून, 2012** द्वारा निर्धारित प्रभावी तिथि दिनांक **1 जुलाई, 2012** के प्रभाव से प्रवृत्त मानी जाएगी।

**एस०ओ०-41** दिनांक-28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automation) के उद्देश्य हेतु तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में निर्गत ऑन-लाईन घोषणा पत्र रोड परमिट (**JVAT 504 B**) की वैधता को निम्नवत् विस्तारित किया जाता है:-



1. पूर्व में **SUGAM B** की वैधता निर्गमन की अवधि 3 दिनों तथा वाहन के क्षतिग्रस्त होने या अन्य परिस्थिति में वाहन के बदलने के कारण (**Transshipment**) होने की स्थिति में **SUGAM B** की वैधता पाँच दिनों की गयी थी। विभिन्न व्यवसायिक संघों तथा प्रतिष्ठानों द्वारा प्राप्त अभ्यावेदनों के आलोक में दिनांक 11 मार्च, 2014 के प्रभाव से उक्त वैधता अवधि बढ़ाकर 6 दिन (144 घंटे) की जाती है।

वाहन के क्षतिग्रस्त होने या अन्य परिस्थिति में वाहन बदलने (**Transshipment**) की स्थिति में अतिरिक्त 2 दिन की वैधता होगी। उक्त स्थिति में **SUGAM B** की वैधता कुल 8 दिनों (6 दिन + 2 दिन) की होगी।

2. **अपवादिक स्थिति में व्यवसायी द्वारा SUGAM B के "Active Status" की अवधि में अंचल प्रभारी को संबंधित माल परिवहन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण (दस्तावेजी प्रमाण सहित) का उल्लेख करते हुए आवेदन देना होगा। संबंधित अंचल प्रभारी द्वारा उक्त आवेदन तथा उपस्थापित प्रमाणों से संतुष्ट होने के उपरांत ऑन-लाईन निर्गत SUGAM B के "Active Status" का ऑन-लाईन अवधि विस्तार किया जा सकेगा।**

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

2. **उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 862A दिनांक 13 मार्च, 2014 से प्रभावी मानी जाएगी।**

**एस०ओ०-42 दिनांक- 28 अगस्त, 2014 झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा- 72 (2) के अधीन राज्य में वस्तुओं के परिगमन तथा 74 के अधीन विभागीय प्रक्रियाओं के स्वचालन (Automation) के उद्देश्य हेतु तथा झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली के नियम 3B तथा नियम 42(12) के अधीन प्रदत्त शक्ति के आलोक में निर्गत ऑन-लाईन घोषणा पत्र रोड परमिट JVAT 504P की वैधता को निम्नवत् विस्तारित किया जाता है:-**

**अपवादिक स्थिति में व्यवसायी द्वारा SUGAM P के "Active Status" की अवधि में अंचल प्रभारी को संबंधित माल परिवहन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण (दस्तावेजी प्रमाण सहित) का उल्लेख करते हुए आवेदन देना होगा। संबंधित अंचल प्रभारी द्वारा उक्त आवेदन तथा उपस्थापित प्रमाणों से संतुष्ट होने के उपरांत ऑन-लाईन निर्गत SUGAM P के "Active Status" का ऑन-लाईन अवधि विस्तार किया जा सकेगा।**

इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रासंगिक परिपत्र में यथाआवश्यक संशोधन /परिवर्तन करने हेतु मार्गदर्शन निर्गत किया जा सकेगा।

2. उक्त अधिसूचना विभागीय परिपत्र संख्या 852A दिनांक 13 मार्च, 2014 से प्रभावी मानी जाएगी।

(संचिका संख्या- वाकर/कम्प्यु/06/2014/3016 )

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**एम0आर0मीणा,**

सचिव-सह-आयुक्त,

वाणिज्य-कर विभाग,

झारखण्ड, राँची ।

-----